News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-38
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

दया वह भाषा है जिसे बहरे सुन सकते हैं और अंधे देख सकते हैं. -मार्क ट्वेन

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, गुरुवार, 16 मई 2024

अमित शाह बोले- केजरीवाल को जमानत मिलना स्पेशल ट्रीटमेंट

कोलकाता। गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को एक बार फिर कहा कि लोकसभा चुनाव में जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश का नेतृत्व करेंगे। वे 2029 तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। इसके बाद भी वे हमारा नेतृत्व करेंगे। गृहमंत्री ने तिहाड़ से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की रिहाई पर कहा- मेरा मानना है कि यह कोई रूटीन जजमेंट नहीं था। देश में कई सारे लोग हैं, जिनका मानना है कि केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत स्पेशल ट्रीटमेंट है। शाह ने एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में लोकसभा चुनाव, भाजपा के नेतृत्व, अरविंद केजरीवाल की तिहाड़ जेल से रिहाई, ममता बनर्जी, संदेशखाली, इंडी अलायंस, राम मंदिर, अल्पसंख्यक वोट बैंक, पाकिस्तान के परमाणु बम, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके), ज्ञानवापी और मथुरा कृष्ण मंदिर विवाद समेत विभिन्न मुद्दों पर बात की। अमित शाह ने कहा कि सरकार की स्थिरता देश और दुनियाभर में 130 करोड़ की जनता की इच्छा की व्याख्या करती है। मैं मानता हूं कि हमारे 400 पार के नारे को विपक्ष ने हमेशा की तरह कम दूरदृष्टि की तरह पॉलिटिसाइज किया है। मैं निश्चित रूप से मानता हूं कि स्थिर सरकारें देश को ताकत देती हैं, निर्णायक कदम उठाने में सहायक होती हैं, गरीबों का कल्याण करने में सहायक होती है, आतंकवाद-नक्सलवाद और नेशनल सिक्योरिटी के खतरों को कुचल देने में मदद करती हैं और देश के एजेंडों को दुनिया में फैलाने में भी मदद करती हैं।

नोटों का पहाड़ मिलने पर एक्शन, झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम गिरफ्तार

रांची। ईडी ने झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी आलमगीर आलम से उनके सचिव संजीव कुमार लाल के नौकर जहांगीर आलम के फ्लैट से 32 करोड़ 20 लाख रुपए बरामद होने और राज्य के ग्रामीण विकास विभाग में कथित अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ कर रही थी। झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम इस मामले में बुधवार को लगातार दूसरे दिन पूछताछ के लिए रांची स्थित ईडी के दफ्तर पहुंचे थे। ईडी ने मंगलवार को उनसे सुबह साढ़े 10 बजे से लेकर देर शाम तक पूछताछ की थी। ईडी ने घंटों की पूछताछ के बाद यह कार्रवाई की है। ईडी ने आलमगीर आलम को 14 मई को रांची जोनल कार्यालय में पेश होने के लिए समन जारी किया था। आलमगीर को उनके पीएस संजीव लाल के घरेलू सहायक के फ्लैट से भारी नकदी की बरामदगी के मामले में तलब किया गया था। ईडी ने पिछले हफ्ते आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल और उनके घरेलू नौकर जहांगीर आलम को 35.23 करोड़ रुपये जब्त करने के एक दिन बाद गिरफ्तार कर लिया था। उनसे भी लगातार पूछताछ की जा रही है। ईडी राज्य के ग्रामीण विकास विभाग में कथित अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही है। एजेंसी की कम से कम सात टीमों ने यह छापेमारी की थी।

बिना रजिस्ट्रेशन चार धाम यात्रा पर पहुंच गए श्रद्धालु, लाखों लोगों की भीड़ की वजह से व्यवस्थाएं चरमराई, जाम में फंसे यात्री

चारधाम यात्रा में अब तक 11 श्रद्धालुओं की मौत

इंदौर/भोपाल/उत्तरकाशी। उत्तराखंड में चार धाम यात्रा में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है और वहां 50 किमी से भी लंबा जाम लग गया है। श्रद्धालु और उनकी गाड़ियां जगह-जगह जाम में फंसी हुई हैं। दो दिन से वे ठंड में सड़कों पर रात बिताने को मजबूर हैं। इसी बीच 11 श्रद्धालुओं की अलग-अलग कारणों से मौत हो चुकी है, जिनमें इंदौर का एक श्रद्धालु शामिल है। मृतकों में इंदौर के गांधी नगर निवासी राम प्रसाद (51) पिता कन्हैया लाल का नाम भी सामने आ रहा है। वे मंगलवार शाम को यमुनोत्री पैदल मार्ग पर भैरव मंदिर के पास फिसलकर घायल हो गए थे। बाद में अस्पताल में उनकी मौत हो गई। पांच यात्रियों की मौत मंगलवार को हुई है। तीन लोगों ने गाड़ी के अंदर ही दम तोड़ दिया था।

स्थानीय प्रशासन को नहीं था अंदाज

चार धाम यात्रा पर जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं, उसका अंदाज स्थानीय प्रशासन को नहीं था। जाम में फंसने के कारण श्रद्धालुओं न तो खाना मिल पा रहा है और न ही पानी मिल पा रहा है। जाम की स्थिति इसलिए बनी क्योंकि बिना रजिस्ट्रेशन के यात्री पहुंच गए। बुधवार से प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। व्यवस्था सुधारने के लिए सचिव स्तर के अधिकारी पहुंचे हैं। अब तक 2 लाख 76 हजार 416 श्रद्धालु चारधाम के दर्शन कर चुके हैं। प्रशासन की सख्ती की वजह से अब हालात सुधरने की उम्मीद है।

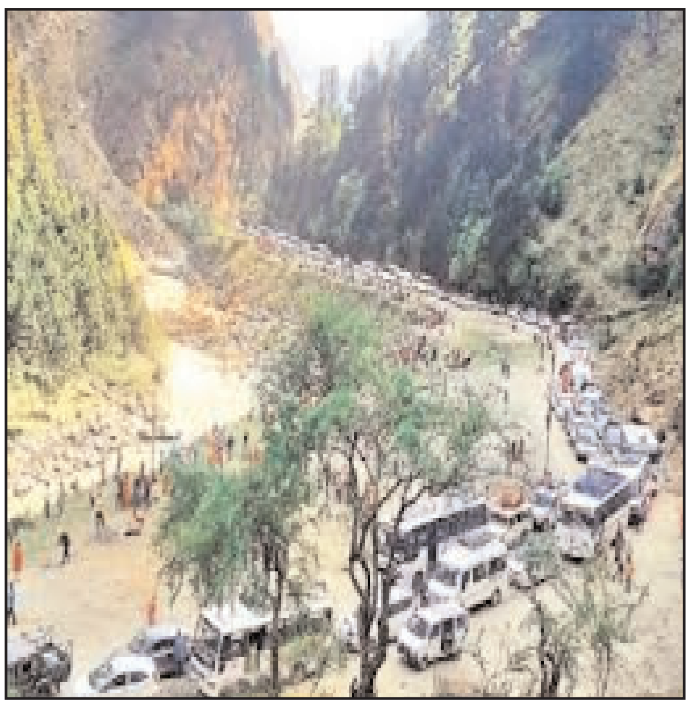

यात्रा स्थगित कर लौटना ही मुनासिब समझा मप्र के कई तीर्थ यात्री केदारनाथ में तो कोई गंगोत्री-बद्रीनाथ के रूट पर फंसा हुआ है। गंगोत्री के रास्ते पर भोपाल-टीकमगढ़ के रहने वाले कुछ यात्री दो दिन तक फंसे रहे। वहां से तो निकल गए लेकिन केदारनाथ और तोंगनाथ के रास्ते पर जाम में फंस गए। वहीं भोपाल के एक तीर्थ यात्री ने बताया, जाम की वजह से अब गंगोत्री की भीड़ केदारनाथ-बद्रीनाथ की तरफ डायवर्ट कर दी गई है, लेकिन वहां भी दर्शन के लिए 5 से 6 घंटे का समय लग रहा है। गंगोत्री रूट पर छह दिन से जाम में फंसे महाराष्ट्र, मप्र, गुजरात, राजस्थान, ओडिशा और दिल्ली के 7 हजार यात्रियों ने आगे की यात्रा स्थगित कर लौटना ही मुनासिब समझा।

न रुकने का ठिकाना, न खाने-पीने की व्यवस्था पिछले चार दिनों के दौरान गंगोत्री जाते वक्त उत्तरकाशी से 20 किमी आगे बढ़ते ही सड़क किनारे बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग आराम करते दिख रहे हैं। यहां न खाने का ठिकाना है और न रुकने का। आसपास के गांवों के लोग पानी की बोतल के 30 से 50 रु. तो शौचालय उपयोग का 100 रु. तक ले रहे हैं।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन बंद करना पड़ा

उत्तराखंड सरकार ने श्रद्धालुओं की भारी संख्या के कारण दो दिन तक यानी बुधवार और गुरुवार को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन को बंद करने का निर्णय लिया। बिना रजिस्ट्रेशन चार धाम यात्रा करने की अनुमति नहीं है। वहीं, गंगोत्री धाम में बदइंतजामी और श्रद्धालुओं पर बढ़ रहे खतरे को लेकर पंडे-पुजारियों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

26 लाख 73 हजार 519 रजिस्ट्रेशन

गढ़वाल मंडल के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने बुधवार को बताया कि चारधामों में 14 मई तक ऑनलाइन कुल 26 लाख 73 हजार 519 रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। गंगोत्री में 4 लाख 21 हजार 366, यमुनोत्री के लिए 4 लाख 78 हजार 576, श्रीबद्रीनाथ धाम के लिए 9 लाख सात हजार 60 और केदारनाथ धाम के लिए कुल 8 लाख 13 हजार 558 जबकि श्रीहेमकुंड साहिब के लिए 59,312 पंजीकरण हुए हैं। इसके अलावा हरिद्वार एवं ऋषिकेश में 8 से 14 मई तक कुल 1,42,641 पंजीकरण ऑफलाइन हुए हैं।

अब जागा प्रशासन

चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी यात्रियों के पंजीकरण की अब जांच होगी। बाद की तिथि में पंजीकरण कराने वाले वाहन अगर पहले यात्रा करते पकड़े गए तो परमिट रद्द होगा। साथ ही सख्त कार्रवाई होगी। गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय ने चारधाम यात्रा को लेकर बैठक की। यात्रा वाले जिलों के अलावा पौड़ी और टिहरी में होल्डिंग पॉइंट भी बनेंगे। सभी जगह यात्रियों को कुछ घंटे के लिए रोका जाएगा, ताकि यात्रा में जाम जैसे हालात न हों। यात्रा में आने से पहले पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराने के लिए सभी राज्यों को पत्र भेजा जा रहा है। बिना पंजीकरण और बाद के पंजीकरण वालों को यात्रा मार्ग पर रोका जाएगा। टूर ऑपरेटर्स के साथ ही बैठक की जाएगी। बिना पंजीकरण वालों को यात्रा न कराने की सख्त हिदायत दी जाएगी।

सुगम व सुरक्षित यात्रा की कोशिश

चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 4 को डायबिटीज के साथ-साथ ब्लड प्रेशर की भी शिकायत थी। कोशिश है सुगम व सुरक्षित यात्रा के साथ हर श्रद्धालु को दर्शन का लाभ मिले।

-विनय शंकर पांडे, गढ़वाल मंडल के कमिश्नर

हरियाणा में मुख्यमंत्री मोहन यादव का कांग्रेस पर निशाना

जो मर्यादा के खिलाफ जाएगा उसे मर्यादा सिखानी पड़ेगी

रेवाड़ी। हरियाणा में रेवाड़ी जिले के कोसली कस्बे में बुधवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की चुनावी जनसभा हुई। बेरली कलां गांव के आईटीआई मैदान में आयोजित जनसभा में मोहन यादव ने कांग्रेस पर खुलकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले पाकिस्तान हमारे सैनिकों के सिर कलम कर फुटबॉल खेलता था, लेकिन जब से 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनी है, तब से पाकिस्तान को दो-दो बार घर में घुसकर मारा है। पाकिस्तान की आज इतनी औकात नहीं कि वह हिंदुस्तान की तरफ आंख उठाकर देख ले। मोहन यादव ने कहा कि मर्यादा के खिलाफ कोई भी जाएगा तो उसे मर्यादा सिखानी पड़ेगी। जो धर्म के मार्ग को छोड़ेगा उसे लाइन पर लाना भगवान श्रीकृष्ण ने सिखाया। मुझे इस बात की खुशी है कि हमारे रणबांकुरे सीमा पर आकर अपनी छाती लगाते हैं, लेकिन दुख होता है जब उनके सिर काटकर पाकिस्तान फुटबॉल खेलता था। यादव ने कहा कि नाकारे और निक्कमे कांग्रेस के लोग जब दिल्ली में बैठते हैं तो कहते हैं कि हम क्या करें, ये लोग मानते ही नहीं। पाकिस्तान के लोग कर देते हैं। इनसे पूछो कि क्या तुम हाथ में चूड़ी पहनकर बैठे हो। जब से देश में मोदी सरकार आई है, पाकिस्तान की हिम्मत भारत की तरफ आंख उठाने की नहीं हुई।

14 लोगों को दिए गए सीएए के तहत नागरिकता प्रमाण पत्र

– गृह मंत्रालय ने दी जानकारी

नई दिल्ली। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत 14 शरणार्थियों को नागरिकता प्रमाणपत्र का पहला सेट बुधवार को राजधानी दिल्ली में सौंपा गया है। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने ये प्रमाणपत्र उनलोगों को सौंपे। इससे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय राष्ट्रीयता देने की प्रक्रिया शुरू हो गई। गृह मंत्रालय ने इस बाबत जानकारी दी है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) इस साल 11 मार्च को देश में लागू हो गया था। नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया था। बाद में इस विधेयक को राष्ट्रपति का अनुमोदन मिल गया था। सीएए के जरिए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता लेने में आसानी होगी।

सीएए को बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय राष्ट्रीयता प्रदान करने के लिए दिसंबर 2019 में अधिनियमित किया गया था, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए थे। नागरिकता अधिनियम में देशीयकरण द्वारा नागरिकता का प्रावधान किया गया है। आवेदक को पिछले 12 महीनों के दौरान और पिछले 14 वर्षों में से आखिरी साल 11 महीने भारत में रहना चाहिए। कानून में छह धर्मों (हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई) और तीन देशों (अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान) से संबंधित व्यक्तियों के लिए 11 वर्ष की जगह छह वर्ष तक का समय है। कानून में यह भी प्रावधान है कि यदि किसी नियम का उल्लंघन किया जाता है

जगदगुरु शंकराचार्य स्वामीअविमुक्तेश्वरानंद का बयान...

देश में सच्चे हिंदुत्व की जरूरत है, न कि राजनीतिक हिंदुत्व की

अलवर। जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बुधवार को अलवर में पत्रकारों से बातचीत में केंद्र की मोदी सरकार, भाजपा, कांग्रेस व आप सहित अन्य पार्टियों पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि इस बार वाराणसी में गौसेवक आंध्र प्रदेश के पोलीसती के शिवकुमार ने सबसे पहले नामांकन दाखिल किया है। वे गौमाता गठबंधन में शामिल हैं। अब वाराणसी के मेयर उनके प्रस्तावकों को डरा उनसे हटने के लिए दवाब डाल रहे हैं। भाजपा का प्रयास प्रस्तावकों को हटाकर गौसेवक शिवकुमार का नामांकन खारिज कराने का है।

सीएम केजरीवाल बोले- मोदी की सरकार बनते ही हटाए जाएंगे योगी

अखिलेश बोले - 140 सीटों से ज्यादा नहीं जीतेंगे

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लखनऊ के सपा कार्यालय में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ मीडिया को संयुक्त रूप से संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने लिए नहीं अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट मांग रहे हैं। अगर मोदी जी चुनाव जीतते हैं तो दो महीने में ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हटा देंगे। आरक्षण को खत्म कर देंगे। चार जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि मोदी जब प्रधानमंत्री बने तो रिटायरमेंट की आयु 75 साल रखी गई थी। सुमित्रा महाजन, मुरली मनोहर जोशी, लाल कृष्ण आडवाणी इसका उदाहरण हैं। अगले साल 17 सितंबर को मोदी 75 वर्ष के हो जाएंगे। मोदी ने धीरे-धीरे अमित शाह के रास्ते के कांटो को दूर कर किया। वसुंधरा राजे, सुमित्रा महाजन, शिवराज सिंह चौहान, डॉ. रमन सिंह को हटाया। अब केवल योगी ही बाधा हैं। उन्हें हटाया जाएगा। उन्हें मोदी हटाएंगे क्योंकि अपने बनाए नियम को वो नहीं तोड़ते। वरना लोग उन पर सवाल उठाएंगे। ये नियम उन्होंने आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को हटाने के लिए बनाए थे। उन्होंने कहा कि भाजपा 220 सीटों से ज्यादा नहीं बढ़ेगी। राजस्थान, हरियाणा, झारखंड, दिल्ली, पंजाब और बंगाल में भाजपा की सीटें कम हो रही हैं। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा हमेशा ही आरक्षण के खिलाफ रही है।

भाजपा 140 सीटों से ज्यादा नहीं जीत पाएगी इस मौके पर अखिलेश यादव ने कहा कि चार चरणों में अब तक भाजपा चित्त हो चुकी है। जनता में आंसुओं का उफान है। 400 पार का नारा इसलिए दिया गया है कि 140 सीटों से ज्यादा नहीं जीत रहे। इस बार जनता 140 सीटों के लिए तरसा देगी। उत्तर प्रदेश, दिल्ली और पंजाब में भाजपा को करारी हार मिलेगी। रोटी, कपड़ा और मकान के साथ-साथ आरक्षण को बचाना होगा। हारने के बाद ये झूठ का विश्वविधालय खोलेंगे। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि मणिपुर के अंदर एक कारगिल योद्धा की पत्नी को निर्वस्त्र कर घुमाया गया। प्रज्वल रमन्ना ने हजारों महिलाओं के साथ शोषण किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसका समर्थन कर रहे हैं।

इंदौर नगर निगम नए विवाद में, रिमूवल अमले को पहनाई सेना जैसी वर्दी

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर नगर निगम में अधिकारियों के लिए ड्रेस कोड लागू होने के बाद अब रिमूवल (अतिक्रमण हटाओं दस्ता) के कर्मचारियों के लिए भी ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। ये कर्मी अब सेना के कमांडों जैसी ड्रेस में नजर आएंगे। निगम अधिकारियों का कहना है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान होने वाले विवादों में कमी लाने के लिए यह कदम उठाया गया है। जैसी ही इस पोशाक में निगम कर्मी नजर आए तो शहर के आम लोगों ने इंटरनेट मीडिया में फोटो पोस्ट कर विरोध शुरू कर दिया। लोगों ने इसे सेना का अपमान बताया। इस मसले को कांग्रेस ने तुरंत समर्थन देकर सेना के अपमान की बात कही। कोविड के दौरान पुलिस अधिकारियों ने इसी तरह की वर्दी पहननी शुरू की थी। सेना ने इस पर आपत्ति करते हुए पुलिस मुख्यालय को पत्र लिखा था। इसके बाद पुलिस को अपना फैसला वापस लेना पड़ा था। कुछ वर्ष पहले ग्वालियर नगर निगम ने भी सेना की तरह दिखने वाली ड्रेस कर्मचारियों को पहनने के लिए दी गई थी। हालांकि आपत्ति आने के बाद इसे वापस लेना पड़ा था।

सेना की वर्दी का अपमान

सेवानिवृत मेजर ऋषि तिवारी(एडवोकेट हाई कोर्ट) ने कहा कि यह सेना की वर्दी का अपमान है। सेना की वर्दी का एक सम्मान होता है। फौज में कहा जाता है कि यह वर्दी बाजार से खरीदी नहीं जा सकती। इसे बलिदान से कमाना पड़ता है। निगम कर्मियों को सेना जैसी वर्दी पहनाना सैनिकों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम है। सेना की वर्दी पर कांबेट पैटर्न होता है। इसका उद्देश्य होता है कि जंगल में युद्ध करते हुए सैनिक वहां पेड़ पौधों के बीच में खुद को छिपा सकें।

इनका कहना है

यह स्वागत योग्य कदम है। यह ड्रेस इसलिए दी गई है ताकि कर्मचारी अनुशासन में रहें, एकरूपता दिखाई दे और कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो। इस कलर की वर्दी पहनने की कोई मनाही नहीं है।

पुष्यमित्र भार्गव, महापौर

हमने यह ड्रेस अनुशासन बनाए रखने के लिए तय की है। हालांकि अगर इसे लेकर कोई विरोधाभास है तो हम इसका विश्लेषण करेंगे।

– शिवम वर्मा, निगमायुक्त इंदौर

तेंदूपत्ता तोड़ रहे युवक पर तेंदुए ने किया हमला, ग्रामीणों ने आग जलाकर भगाया

देवास। तेंदूपत्ता संग्रहण कर रहे युवक पर तेंदुए ने हमला कर दिया। हमले में युवक घायल हुआ। आसपास के लोगो ने शोर मचाया और आग जलाई तब तेंदुआ भागा। घटना गुरुवार सुबह की है। खातेगांव के विक्रमपुर सबरेंज के अंतर्गत आमला-हरणगांव के बीच जंगल में तेंदुए ने तेंदूपत्ता संग्राहक जगदीश पुत्र तेजराम माली पर हमला कर दिया। साथ में पत्ते तोड़ रहे अन्य ग्रामीणों के चिल्लाने और आग जलाने के बाद तेंदुआ वहां से भाग गया घायल जगदीश को आमला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, यहां प्राथमिक उपचार किया गया। सूचना पाकर डिप्टी रेंजर सजनलाल वर्मा मौके पर पहुंचे। वे अपनी कार से घायल जगदीश को खातेगांव के सरकारी अस्पताल लेकर गए। मौके पर साथियों ने बताया कि जगदीश तेंदूपत्ता तोड़ रहा था। इसी दौरान अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया। जगदीश ने शोर मचाया तो आसपास के लोग पहुंचे। भीड़ ने आग जलाई जिससे तेंदुआ घबराकर भाग गया। जगदीश के शरीर पर कई जगह तेंदुए के नाखूनों के निशान दिख रहे हैं।

बता दें कि जिले के अधिकारियों ने 16 मई से तेंदूपत्ता तुड़ाई का कार्य शुरू करने के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके क्षेत्र में दो दिन पहले से ही संग्राहक पत्तों की तुड़ाई करना शुरू कर चुके हैं। खातेगांव क्षेत्र में तेंदुए के मूवमेंट को लेकर भी वन विभाग अलर्ट कर चुका है और सतर्क रहने की समझाइश दी है।

दुर्घटना का कोई प्रत्यक्ष गवाह नहीं मिला

कोर्ट ने कैंसिल किया 70 लाख रुपये का बीमा क्लेम

सिटी चीफ इंदौर

दुर्घटना का कोई प्रत्यक्ष साक्षी नहीं होने का नुकसान मृतक के स्वजन को हुआ। जिला न्यायालय ने उनकी ओर से प्रस्तुत क्लेम प्रकरण निरस्त कर दिया। कोर्ट ने माना कि मृतक के स्वजन दुर्घटना को साबित कर पाते तो उन्हें 14 लाख 60 हजार रुपये क्षतिपूर्ति पाने का अधिकार होता। इंदौर के श्याम नगर एनेक्स निवासी रवि उर्फ सुनील चौहान की सड़क हादसे में मृत्यु हो गई थी। उनके स्वजन ने यह कहते हुए वाहन का बीमा करने वाली कंपनी के खिलाफ 70 लाख रुपये क्षतिपूर्ति का दावा प्रस्तुत किया था कि सुनील वाहन में ड्रायवर के पास बैठे हुए थे और हादसे की वजह से ही उनकी मृत्यु हुई है। उन्होंने अपनी बात के समर्थन में पांच गवाहों के बयान भी करवाए। बीमा कंपनी की ओर से एडवोकेट मुजीब खान ने गवाहों का प्रतिपरीक्षण किया। इसमें सभी गवाहों ने स्वीकारा कि हादसा उनके सामने नहीं हुआ था इसलिए वे नहीं बता सकते कि हादसे के वक्त रवि उर्फ सुनील वाहन चला रहे थे या चालक के पास की सीट पर बैठे थे। किसी ने भी हादसा होते हुए नहीं देखा था। ऐसे में वे नहीं बता सकते कि किसकी लापरवाही से हादसा हुआ था। न्यायालय ने गवाहों के बयान और एडवोकेट खान के तर्कों से सहमत होते हुए क्लेम प्रकरण निरस्त कर दिया।

झूठी साबित हुई आग से बस खाक होने की कहानी

चलती बस में आग लगने से हुए नुकसान के मामले में क्षतिपूर्ति दिलाने से जिला उपभोक्ता आयोग ने इंकार कर दिया। आयोग ने बस मालिक पर हर्जाना भी लगाया है। हर्जाने की रकम बीमा कंपनी को मिलेगी। इंदौर निवासी वीरेंद्र कुमार ने बीमा कंपनी के खिलाफ 37 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति और पांच लाख रुपये मानसिक संत्रास के एवज में दिलवाए जाने के लिए परिवाद प्रस्तुत किया था। इसमें कहा था कि परिवादी ने नई बस खरीदी थी। इसका वैध परमिट था और यह रजिस्ट्रेशन के लिए चित्रकूट जा रही थी कि रास्ते में इसमें आग लग गई और बस जल गई। इससे परिवादी को 45 लाख रुपये का नुकसान हो गया। परिवादी ने बीमा कंपनी से क्षतिपूर्ति की मांग की लेकिन उसने यह कहते हुए क्लेम देने से इंकार कर दिया कि बस का रजिस्ट्रेशन ही नहीं था। आयोग में बीमा कंपनी की तरफ से बताया गया कि वाहन मालिक पुरानी बस की नंबर प्लेट लगाकर नए वाहन को चला रहा था। वाहन मालिक इंदौर निवासी है तो वे बस को रजिस्ट्रेशन के लिए चित्रकूट क्यों ले जाएंगे। इसके अलावा पुलिस रिपोर्ट में भी बस नंबर की पुष्टि हुई है। तर्क सुनने के बाद आयोग ने परिवाद निरस्त कर दिया।

इंदौर में दो हजार पाकिस्तानी सिंधियों की उम्मीदें बंधी

पहली बार सीएए के तहत 14 लोगों को मिली भारत की नागरिकता

सिटी चीफ इंदौर

दो माह पहले लागू हुए सीएए के तहत पहली बार 14 लोगों को भारतीय नागरिकता मिली है। इसके बाद इंदौर में रह रहे पाकिस्तानी सिंधियों को भी भारतीय नागरिकता मिलने की उम्मीदें बंधी हैं। बता दें कि 30 वर्षों में पाकिस्तान से इंदौर आए 30 हजार से अधिक सिंधियों को देश की नागरिकता मिल चुकी है। अब जैकबाबाद पंचायत द्वारा करीब दो हजार पाकिस्तानी सिंधियों के सीएए के तहत आवेदन भरवाए जा रहे हैं, जिन्हें यहां आने के 15-20 साल बाद भी नागरिकता नहीं मिली हैं। इधर पंचायत ने सीएए कानून में तारीख को लेकर संशोधन करने की मांग भी की है, ताकि इंदौर में रह रहे 10 हजार से अधिक पाकिस्तानी सिंधिंयों को भी देश की नागरिकता मिल सके। जेकबाबाद पंचायत के अध्यक्ष राजा मांदवानी ने बताया कि सीएए कानून लागू होने पर पूरी पंचायत में हर्ष है। इंदौर में करीब दो हजार से अधिक पाकिस्तानी सिंधी ऐसे हैं, जिन्हें पाकिस्तान से आए 15-20 साल हो चुके हैं, लेकिन अब तक नागरिकता नहीं मिली है। इसके चलते उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्हें अब तक पहचान तक नहीं मिली है। उनके बच्चों को बड़े स्कूलों में प्रवेश नहीं मिलता। अब सीएए कानून के तहत इनका आवेदन करवा रहे हैं, ताकि जल्द से जल्द देश की नागरिकता मिल जाए। मांदवानी ने बताया कि इंदौर में अब तक 30 हजार से अधिक पाकिस्तानी सिंधियों को देश की नागरिकता मिल चुकी है।

मांदवानी ने बताया कि सीएए कानून के तहत 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आने वालों को ही नागरिकता मिल सकती है। ऐसे में 95 फीसद को नागरिकता पहले ही मिल चुकी है। सिर्फ इंदौर में ही 2014 के बाद आने वाले 10 हजार से अधिक पाकिस्तानी नागरिक हैं, जिसमें 99 फीसद सिंधी हैं। लेकिन एक्ट में तारीख के चलते इन्हें नागरिकता नहीं मिल पा रही है। इस संबंध में हमने मांग की है कि कानून में तारीख को खत्म किया जाए या फिर कानून लागू होने की तारीख तक देश की नागरिकता दी जाए। सीएए कानून में तारीख का संशोधन हो जाएगा तो सिंधी समाज के हजारों लोगों के सपने पूरे हो जाएंगे।

हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाने के आदेश को अक्षय बम ने दी चुनौती, दायर की रिवीजन

सिटी चीफ इंदौर

हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाने के प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी के आदेश को चुनौती देते हुए अक्षय बम ने सत्र न्यायालय में आपराधिक रिवीजन दायर की है। बुधवार को इस पर सुनवाई होनी थी, लेकिन फरियादी के वकील ने कोर्ट को बताया कि मंगलवार को ही उन्हें रिवीजन की प्रति मिली है। इस पर कोर्ट ने सुनवाई आगे बढ़ा दी। अगली सुनवाई 24 मई को होगी। इधर, फरियादी यूनुस पटेल ने पुलिस कमिश्नर को आवेदन देकर बम को दी गई सुरक्षा हटाने की मांग की है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए अक्षय बम और उनके पिता कांतिलाल बम के खिलाफ 17 वर्ष पुराने मामले में जिला न्यायालय ने 24 अप्रैल 2024 को हत्या के प्रयास की धारा 307 बढ़ाने के आदेश दिए हैं। न्यायालय ने दोनों आरोपितों को 10 मई को उपस्थित होने के लिए कहा था, लेकिन दोनों उपस्थित नहीं हुए। इस पर कोर्ट ने उनका गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। इधर, बम ने 24 अप्रैल के आदेश को चुनौती देते हुए आपराधिक रिवीजन दायर की है। फरियादी यूनुस पटेल की तरफ से पैरवी कर रहे एडवोकेट मुकेश देवल ने बताया कि बुधवार को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर बताया कि आरोपितों की तरफ से हमें मंगलवार को ही रिवीजन की प्रति उपलब्ध करवाई गई है। हमें अध्ययन के लिए समय दिया जाए। इस पर कोर्ट ने सुनवाई आगे बढ़ा दी।

पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन देकर सुरक्षा हटाने की मांग

फरियादी यूनुस पटेल ने बुधवार को पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन देकर अक्षय बम और कांतिलाल बम को उपलब्ध कराई गई पुलिस सुरक्षा हटाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा कि आरोपितों पर हत्या के प्रयास का गंभीर मामला है। उन्हें पुलिस सुरक्षा दिए जाने से समाज में अच्छा संदेश नहीं जा रहा है। आरोपितों को दी गई सुरक्षा व्यवस्था वापस ली जाए।

शादी से इन्कार के बाद भी युवती ने दी थी संबंध बनाने की अनुमति

उज्जैन। इंटरनेट मीडिया इंस्टाग्राम पर आर्मी जवान की एक युवती से दोस्ती हुई। बाद में युवती ने आरोप लगाए कि शादी का झांसा देकर जवान ने उससे दो साल तक दुष्कर्म किया, इसके बाद शादी से इन्कार कर दिया। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपित जवान को गिरफ्तार किया था। जवान की ओर से कोर्ट के समक्ष तर्क रखे गए कि युवती को पहले ही बता दिया था कि वह शादी नहीं करेगा, इसके बावजूद युवती लगातार उसके साथ संपर्क में रही। युवती ने लंबे समय तक साथ में रहने के दौरान भी कोई शिकायत नहीं की। विलंब से रिपोर्ट दर्ज करवाने और शादी से इन्कार के बाद भी संबंध बनाने में सहमति दी थी। इस आधार पर हाईकोर्ट ने जवान को राहत देते हुए उसके खिलाफ दर्ज एफआइआर खारिज करने के आदेश जारी कर दिए। अभिभाषक वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रतीक सोलंकी निवासी गायत्री नगर (उज्जैन) सेना में हैं तथा वर्तमान में कश्मीर के कुपवाड़ा में पदस्थ हैं। सोलंकी की वर्ष 2020 में इंटरनेट मीडिया के माध्यम से एक युवती से दोस्ती हुई थी। इसके बाद वह उससे फोन पर बात करती थी। उस दौरान सोलंकी आर्मी की ट्रेनिंग ले रहा था। ट्रेनिंग खत्म होने के बाद वह उज्जैन आया था। युवती का आरोप है कि इस दौरान सोलंकी ने उसे शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। लगातार दो साल तक दुष्कर्म करने के बाद प्रतीक ने शादी से इन्कार कर दिया। इस पर युवती ने सोलंकी के खिलाफ फरवरी 2023 में पुलिस को शिकायत की थी।

उज्जैन में मिट्टी के कटाव से झुक रहा 400 साल पुराने गोवर्धनधारी श्रीकृष्ण मंदिर

उज्जैन। अंकपात मार्ग स्थित श्री रामजनार्दन मंदिर परिसर स्थित श्री गोवर्धनधारी भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर झुक रहा है। जानकारों के अनुसार समीप स्थित विष्णु सागर के पानी से मिट्टी में कटाव हो रहा है, इससे मंदिर की नींव बैठ रही है और मंदिर झुकता जा रहा है। यही स्थिति रही तो कुछ वर्षों में 400 साल पुराना श्रीकृष्ण मंदिर धराशायी हो सकता है। मध्य प्रदेश पुरातत्व विभाग द्वारा राम जनार्दन मंदिर को राज्य संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है। इस परिसर में स्थित प्राचीन मंदिर तथा मूर्तियों के रखरखाव व संरक्षण की जिम्मेदारी पुरातत्व विभाग की है। लेकिन जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। विभाग ने मंदिर के बाहर सूचना पट्ट लगाकर अपने दायित्वों की इतिश्री कर ली है। सूत्र बताते हैं, विभाग के अधिकारी कभी अवलोकन के लिए नहीं आते हैं। गोवर्धन सागर के पानी के कारण परिसर का एक हिस्सा धीरे-धीरे नीचे धंस रहा है। गोवर्धनधारी भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर भी इसका हिस्सा है। विक्रम विश्वविद्यालय के पुराविद डा.रमण सोलंकी ने बताया गोवर्धनधारी भगवान श्रीकृष्ण की यह प्रतिमा एक हजार साल पुरानी है। मध्य भाग में त्रिभंग मुद्रा में अलंकृत कृष्ण प्रतिमा है।

किडनी संबंधित बीमारी की घर बैठे होगी जांच, आईआईटी इंदौर में तैयार हुआ क्वांटम बायो - सेंसर

सिटी चीफ इंदौर

खराब जीवनशैली और गलत खान-पान की वजह से देश में किडनी संबंधित रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सभी आयु वर्ग के लगभग तीन लाख लोगों को हर वर्ष किडनी ट्रांसप्लांट और डायलिसिस की जरूरत पड़ रही है। इसकी बड़ी वजह यह भी है कि लोगों को बीमारी का सही समय पर पता नहीं चल पाता। जब तक वह डॉक्टर के पास जाते हैं, तब तक बीमारी बढ़ चुकी होती है। इस समस्या का समाधान आईआईटी इंदौर के प्रोफेसरों की टीम ने ढूंढा है। इन्होंने विशेष उपकरण पोर्टेबल क्वांटम बायो-सेंसर बनाया है, जिसकी मदद से किडनी संबंधित बीमारी की जांच आसानी से की जा सकेगी। आइआइटी इंदौर के क्वांटेकएल 2एम के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और को-फाउंडर डा. चंद्रभान पटेल ने बताया कि किडनी की कार्यक्षमता में कमी से रक्त में यूरिक एसिड बढ़ जाता है। इसकी बढ़ी हुई मात्रा से शरीर में गठिया, जोड़ों में दर्द, अकड़न, किडनी में स्टोन और किडनी खराब होने जैसी स्थितियां बनती हैं। इनके बढ़ते मामले को देखते हुए हमारी टीम ने क्वांटम बायो-सेंसर उपकरण तैयार किया है। इसकी मदद से शरीर में यूरिक एसिड के स्तर की 25 सेकंड में सटीक जानकारी मिल सकेगी। इसका ह्मूमन क्लीनिकल ट्रायल एम्स भोपाल के डा. जगत राकेश कंवर की देखरेख में चल रहा है। इसकी मदद से मरीज घर बैठे यूरिक एसिड के स्तर के बारे में जानकारी एप पर अपने फोन पर ही प्राप्त कर सकते हैं। इसे संबंधित डॉक्टर को भी भेज सकते हैं। इस उपकरण पर टीम द्वारा मई, 2022 से काम किया जा रहा था। इसे इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) क्वांटम टेक्नोलॉजी से बनाया गया है। बता दें, यह उपकरण भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे नेशनल क्वांटम मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस

प्रोजेक्ट को भारत सरकार के स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम की तरफ से सहायता प्राप्त हुई है। आइआइटी इंदौर के इंक्यूबेशन सेंटर ने भी सहयोग किया है। उपकरण को तैयार करने वाली टीम को कृषि, चिकित्सा और पर्यावरण में प्रौद्योगिकी के लिए अभी तक नौ पेटेंट मिल चुके हैं। चार हजार रुपये रहेगी कीमत इस उपकरण से रक्त, मूत्र या लार के सैंपल से शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा की जांच की जा सकती है। यह 25 सेकंड में परिणाम देता है। इसके अलावा मशीन की कीमत पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह मशीन मात्र चार हजार रुपये में प्रत्येक व्यक्ति के लिए उपलब्ध रहेगी। उपकरण को क्वांटेकएल 2 एम के डायरेक्टर और फाउंडर व आईआईटी इंदौर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी ने अपनी टीम के साथ तैयार किया है। टीम में डायरेक्टर एंड को-फाउंडर डॉ. पल्लबी मुखर्जी, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर को-फाउंडर डॉ. चंद्रभान पटेल, डायरेक्टर एंड को-फाउंडर मयंक दुबे, डायरेक्टर एंड को-फाउंडर सुमित चौधरी, चीफ टेक्निकल ऑफिसर विकास वर्मा, चीफ फाइनेंस ऑफिसर ब्रम्हदत्त महापात्रा और चीफ प्रोडक्ट पैकेजिंग ऑफिसर अजित यादव ने गहन शोध कार्य किया है।

लांग टर्म वीजा पर भोपाल में रह रहे विस्थापितों को नागरिकता मिलने की उम्मीद बढ़ी

सिटी चीफ भोपाल।
नागरिकता संशोधन कानून लागू होने के बाद भारतीय नागरिकता पाने की राह देख रहे सिंधी हिंदू परिवारों की आस जल्द पूरी हो सकती है। भारत सरकार ने बुधवार को 14 लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किए हैं। इससे यहां रह रहे लोगों को भी जल्द ही नागरिकता मिलने की उम्मीद बंधी है।

भारत सरकार ने सिंध प्रांत सहित विभिन्न नगरों से लांग टर्म वीजा के आधार पर भोपाल एवं इंदौर में आकर बसे सिंधी हिंदू परिवारों के लिए नागरिकता नियम आसान कर दिए थे। जिला कलेक्टरों को आइबी की रिपोर्ट के आधार पर नागरिकता देने के अधिकार दिए गए थे। नए नियम लागू होने के बाद भोपाल के 150 से अधिक लोगों को नागरिकता मिल गई थी। उस समय नागरिकता के लिए यह जरूरी था कि यहां आए लोग कम से कम नौ साल से भारत में रह रहे हों। सीएए लागू होने के बाद समय अवधि की शर्त में छूट दी गई है, इससे लंबित मामलों में तत्काल नागरिकता मिलने की संभावना है। इंदौर में भोपाल से अधिक प्रकरण सिंधी सेंट्रल पंचायत भोपाल के संरक्षक एवं मप्र विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव भगवानदेव इसरानी के अनुसार सिंध से भोपाल आकर बसे अधिकांश लोगों को नागरिकता मिल चुकी है। कुछ प्रकरण ही लंबित हैं। सीएए से नागरिकता की राह आसान होगी। इसरानी के अनुसार सीएए लागू होने से पाकिस्तान में प्रताड़ित हिंदुओं, सिखों आदि गैर-मुस्लिम परिवारों की भारत आने की इच्छा पूरी हो सकती है। भारत सरकार का यह कदम सराहनीय है।

नागरिकता संशोधन कानून के माध्यम से हमें नागरिकता मिलने की संभावना बढ़ी है। हमारा परिवार पाक के जैकबाबाद में रहता था। मैं एक साल से भोपाल में हूं। कठिन नियमों के कारण मामला लंबित था। अब उम्मीद है कि परिवार के सभी सात सदस्यों को नागरिकता मिलेगी।

भोपाल के कई परिवारों को नागरिकता मिल चुकी है। जटिल नियमों के कारण कुछ लोगों की नागरिकता लंबित है। सीएए लागू होने से जल्द नागरिकता मिलने की उम्मीद है। भारत सरकार के इस कदम से सिंध से यहां आने की चाह रखने वालों को भी आसानी से नागरिकता मिलेगी।

जमीन पर सो रहे क्लीनर को कुचला चालक डंपर लेकर फरार

सिटी चीफ भोपाल।
मिसरोद स्थित ग्यारह मील बायपास टोल नाके के पास मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात डंपर के पास सो रहे एक क्लीनर को दूसरे डंपर ने कुचल दिया। दुर्घटना का पता चलते ही आरोपित चालक डंपर लेकर मौके से भाग निकला। यह घटना पास ही लगे सीसीटीवी में कैद हुई है। बुधवार सुबह क्लीनर से कुछ दूर सो रहे उसके रिश्तेदार की नजर पड़ी तो घटना का पता चला। पुलिस डंपर और उसके चालक की तलाश कर रही है।

नूरगंज का रहने वाला था मृतक
मिसरोद थाना पुलिस के मुताबिक 19 वर्षीय रोहित पुत्र बृजलाल उइके नूरगंज जिला रायसेन का रहने वाला था। वह एक डंपर में क्लीनर का काम करता था। सोमवार को वह अपने ड्रायवर माजिद खान के साथ डंपर सुधरवाने के लिए मिसरोद स्थित मैकेनिक मार्केट आया था। ड्रायवर ने डंपर को मारण ढाबा के पास सड़क किनारे खड़ा किया और घर चला गया। वह रोहित को डंपर की देखरेख के लिए छोड़ गया था। मंगलवार को रोहित का एक रिश्तेदार उसे लेने के लिए आया था, लेकिन रोहित ने डंपर की रखवाली करने की बात कहते हुए बुधवार को घर जाने की बात कहकर टाल दिया था। उसके बाद दोनों डंपर के पास ही सो गए। रोहित डंपर के बगल में कंबल बिछाकर सो रहा था। मच्छरों से बचने के लिए उसने ग्रीन मैट भी ओढ़ ली थी।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना
बुधवार सुबह रोहित का रिश्तेदार उठा तो उसने रोहित का कुचला हुआ शव देखा। घटना की सूचना मिलने पर चालक माजिद भी मौके पर आ गया। पास में लगे सीसीटीवी कैमरा देखने पर पता चला कि भोर करीब करीब पौने चार बजे एक डंपर बायपास पर आया। चालक ने रोहित के डंपर के पास अपना डंपर पार्क किया। डंपर का पहिया ग्रीनमैट के ऊपर से होकर गुजरा था। ड्रायवर को जब पता चला कि इसकी नीचे कोई व्यक्ति सो रहा है तो वह अपना डंपर लेकर वहां से भाग निकला। अंधेरा होने के कारण डंपर का नंबर कैमरे में स्पष्ट नहीं दिखाई दिया। पुलिस दूसरे कैमरों के भी फुटेज खंगाल रही है।

काटजू अस्पताल में फिर लापरवाही बेड पर ही हो गया महिला का प्रसव

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी के डा. कैलाशनाथ काटजू शासकीय अस्पताल में नसबंदी का आपरेशन कराने आई एक महिला की मौत का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था, कि चिकित्ससकीय स्टाफ की लापरवाही की एक और घटना सामने आ गई। इस अस्पताल में भर्ती एक गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। महिला के स्वजन नर्स समेत अन्य स्टाफ से महिला को आकार देखने की गुहार लगाते रहे, लेकिन किसी ने उसकी सुध नहीं ली। नतीजा यह हुआ कि महिला का बेड पर ही प्रसव हो गया। घटना बुधवार की है।

पीड़िता की ननद विनीता वर्मा ने बताया कि भाभी को 11 मई को भर्ती किया था। डिलीवरी की डेट नहीं आई थी, लेकिन भाभी को लगातार लेबर पेन हो रहा था। मौके पर नर्स और डाक्टर को भी इसके बारे में बताया, लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया। उनका कहना था कि मां बन रही है तो दर्द होगा ही। दोपहर के करीब साढ़े तीन बजे बिस्तर पर ही डिलेवरी हो गई। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन की तरफ से कोई भी नर्स और डाक्टर उपलब्ध नहीं था। बाद में हंगामा होने के बाद डाक्टर अन्य स्टाफ पहुंचा।

नसबंदी के दौरान महिला की हुई थी मौत
बता दें कि इससे पहले मंगलवार को काटजू अस्पताल में नसबंदी कराने आई महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे रीना गौर नामक महिला को सर्जरी के लिए डाक्टर ओटी में ले गए। जैसे सर्जरी शुरू हुई महिला की स्थिति बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। मृतका के पति ने आरोप लगाया कि एनेस्थिसिया के ओवर डोज की वजह से उसकी पत्नी की मौत हुई है।

इनका कहना है
मेरी तबीयत खराब है, इसलिए मैं अस्पताल में नहीं जा रहा हूं। आपसे मिली जानकारी के अनुसार मामले की जांच करवाता हूं।
– डा. कर्नल प्रवीण सिंह, अधीक्षक काटजू अस्पताल

नर्मदा अस्पताल तिराहा से हबीबगंज नाका तक एक तरफ का मार्ग कल से 12 जून तक रहेगा बंद

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्य के अंतर्गत गणेश मंदिर के सामने मेट्रो के पिलर क्रमांक 67 से पिलर क्रमांक 68 पर 25 मीटर स्पान में बाक्स सेंगमेंट चढ़ाने का कार्य किया जाना है। इसके लिए सुरक्षा की दृष्टि से गणेश मंदिर के सामने निर्माण कार्य के दौरान 17 मई से 12 जून तक के लिए नर्मदा ट्रामा सेंटर तिराहा से गणेश मंदिर तक आने वाली एक तरफ के मार्ग को बंद किया जाएगा। वाहन चालक परेशानी से बचने के लिए वैकल्पिक मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। यातायात थाना पुलिस के मुताबिक सुरक्षित यातायात के दृष्टिकोण से निर्माण कार्य के दौरान परिवर्तित मार्ग यह रहेंगे।

प्रतिबधित मार्ग
नर्मदा ट्रामा सेंटर तिराहा से गणेश मंदिर तक एक तरफ का मार्ग आवागमन के लिए पूर्णत: बंद रहेगा। रानी कमलापति स्टेशन आने व जाने वाले वाहन पूर्व की भांति आवागमन कर सकेंगे।

वैकल्पिक मार्ग
रानी कमलापति स्टेशन से गणेश मंदिर की ओर जाने वाले वाहन जीजी फ्लायओवर के नीचे (नर्मदा ट्रामा सेंटर तिराहा) होकर दूसरे तरफ के मार्ग का उपयोग कर रानी कमलापति स्टेशन से गणेश मंदिर की ओर जा सकेंगे।

गणेश मंदिर से रानी कमलापति स्टेशन की ओर जाने वाले वाहन गणेश मंदिर के पीछे वाले मार्ग एससी गोधा एडवोकेट मार्ग का उपयोग कर जा सकेंगे। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात हेल्पलाईन फोन नंबर-0755-2677340, 2443850 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

इंटरनेट मीडिया के जरिए नाबालिग से दोस्ती, होटल में ले जाकर दुष्कर्म

सिटी चीफ भोपाल।
ऐशबाग इलाके में एक नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपित ने नाबालिग से इंटरनेट मीडिया इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती कर उसके साथ होटल में ले जाकर दुष्?कर्म किया और बाद में वह उसका शोषण करने लगा। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक गोविंदपुरा निवासी 16 वर्षीय लड़की ने आठवीं तक पढ़ाई की है। पिछले साल इंटरनेट मीडिया इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी दोस्ती करण चौहान नामक युवक से हुई थी। करण ने किशोरी को बताया था कि वह इंदौर का रहने वाला है। पिछले साल अक्टूबर 2023 में करण भोपाल आया और उसे लेकर ऐशबाग स्थित एक होटल लेकर पहुंचा , जहां उसने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। उसके कुछ दिनों बाद उसने दोबारा इसी प्रकार की हरकत की। किशोरी ने जब उससे बातचीत करना बंद कर दिया तो करण उसके माता-पिता को जान से मारने की धमकी देने लगा। परेशान होकर पीड़िता ने घटनी की जानकारी परिजनों को दी। उसके बाद परिजन उसे लेकर ऐशबाग थाने पहुंचे, जहां पीड़िता ने करण के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया।

सुसाइड नोट में महिला मित्र का नाम लिखकर युवक ने लगाई फांसी

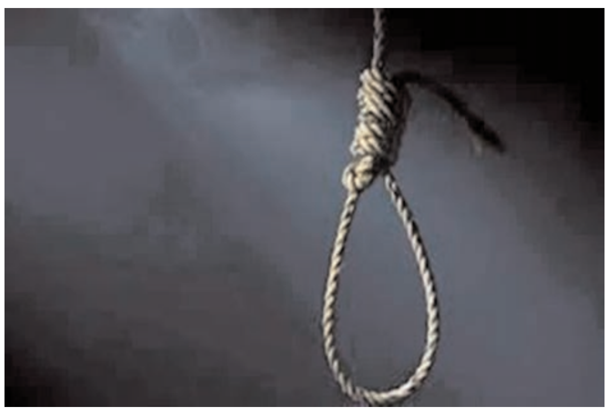

सिटी चीफ भोपाल।
अशोका गार्डन के सुंदर नगर में बुधवार सुबह 26 वर्षीय ललितपुर निवासी प्रवेंद्र राजपूत ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसके पास से मिले सुसाइड नोट में महिला मित्र का जिक्र किया है। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर जांच शुरू कर दी है। एएसआइ ओमकार सिंह ने बताया कि प्रवेंद्र राजपूत अपने चचेरे भाई और दोस्त के साथ रहता था। दोनों ललितपुर गए थे। 11 मई को प्रवेंद्र भी ललितपुर से लौटा था। बुधवार सुबह उसके रूम पार्टनर भोपाल आए थे, दरवाजा खुलवाने के लिए कोशिश के बाद दरवाजा नहीं खुला तो आसपास के लोगों को बताया, बाद में पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खुलवाया तो कमरे के अंदर प्रवेंद्र का शव फांसी पर लटका मिला है। कमरे से टूटा हुआ मोबाइल और सुसाइड नोट मिला। पुलिस जांच में सामने आया है कि युवती और प्रवेंद्र में विवाद हुआ था, दोनों की पहले से दोस्ती थी। अब पुलिस इस मामले की जानकारी जुटाने के लिए उसके स्वजनों के बयान दर्ज करेगी। हालांकि पुलिस को सुसाइड नोट में एक युवती का नाम मिला है, पुलिस को शुरूआती जांच में सामने आया है कि दोनों में करीबी दोस्ती रही होगी।

चारधाम यात्रा पर गए भोपाल के 500 यात्री, जाम में फंसे, खाने - पीने को तरसे

सिटी चीफ भोपाल।
उत्तराखंड में चारधाम यात्रा करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। हालात ऐसे हैं कि पहाड़ों में सड़कों पर 40-50 किलोमीटर लंबे जाम लग गए हैं। ऐसे में यात्रियों की मुसीबतें बढ़ गई हैं।

दरअसल, यहां बड़ी संख्या में यात्री बिना पंजीयन करवाए पहुंच गए, इस कारण यह स्थिति बन गई है। भोपाल से चारधाम यात्रा पर गए 500 से ज्यादा यात्री भी जाम में फंसे हुए हैं। इन्हें खाने-पीने से लेकर कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कई लोग तो बिना दर्शन किए ही लौटने लगे हैं। जाम में फंसे तीर्थ यात्रियों ने बताया कि उत्तरकाशी-गंगोत्री मार्ग पर गंगनानी के पास जाम लगने से यात्री परेशान हो रहे हैं। यात्रा पर गए अयोध्या नगर निवासी मनोज पांडेय ने बताया कि वह मित्रों के साथ 10 मई को चारधाम यात्रा के लिए निकले थे। उन्होंने बद्रीनाथ और केदारनाथ के दर्शन कर लिए हैं, किंतु गंगोत्री जाते समय बीच में 40 किमी लंबा जाम लगा मिला। पुलिस ने आगे जाने से मना कर दिया है, इसलिए जाम खुलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

हमारे कई साथी आगे निकल गए हैं। जाम के चलते रास्ते में कुछ भी खाने-पीने का सामान नहीं मिल रहा है। रास्ते में दुकानों पर पानी की बोतल से लेकर खाने-पीने का सामान खत्म हो गया है। नतीजतन, कई लोग बिना दर्शन किए लौट चुके हैं।

इसी तरह, अवधपुरी तुलसी टावर निवासी प्रदीप सोनी भी फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि वह परिवार के साथ आठ मई को चारधाम यात्रा के लिए निकले थे। बद्रीनाथ, केदारनाथ धाम के दर्शन कर लौट रहे हैं और अगस्त मुनि के रास्ते में हैं। लंबा जाम होने के चलते करीब दो दिन उन्हें रास्ते में बनी झुग्गियों में किराये से रुककर रात काटनी पड़ी।

सौदेबाज एसआइ को बर्खास्त करने की तैयारी शुरू, पुराना रिकॉर्ड भी निकाल रहे

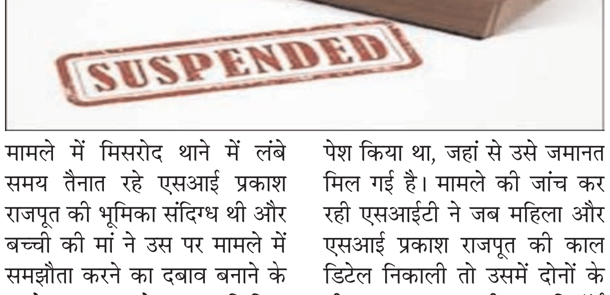

सिटी चीफ भोपाल।
शहर के निजी स्कूल में आठ वर्षीय मासूम से दुष्कर्म के मामले में सौदेबाज एसआइ प्रकाश राजपूत की नौकरी पर खतरा मंडराने लगा है। आला अधिकारियों ने उसके आपराधिक कृत्य को देखते हुए बर्खास्तगी की तैयारी कर ली है। इसके लिए उसके पुराने रिकॉर्ड भी निकले जा रहे हैं। उधर, बच्ची से दुष्कर्म के मामले में उसके खिलाफ पुलिस को मजबूत साक्ष्य भी मिल गए हैं। बता दें कि नर्मदापुरम रोड स्थित एक निजी स्कूल में आठ वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना पर मिसरोद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। इसके करीब 13 दिन बाद पुलिस ने आरोपित स्कूल संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। इस पूरे मामले में मिसरोद थाने में लंबे समय तैनात रहे एसआई प्रकाश राजपूत की भूमिका संदिग्ध थी और बच्ची की मां ने उस पर मामले में समझौता करने का दबाव बनाने के आरोप लगाए थे। एक लिखित आवेदन भी पुलिस को उसके खिलाफ दिया था। इस आधार पर पुलिस ने उस पर एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश किया था, जहां से उसे जमानत मिल गई है। मामले की जांच कर रही एसआईटी ने जब महिला और एसआई प्रकाश राजपूत की काल डिटेल निकाली तो उसमें दोनों के बीच 450 बार बातचीत का रिकॉर्ड मिला। इसके अलावा एसआई के विरुद्ध अन्य साक्ष्य भी मिले थे, जिसके आधार पर उसे निलंबित कर दिया गया था।

संपादकीय

वोट की कीमत

चौथे चरण के मतदान के दौरान जहां 10 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में नजरें मतदान प्रतिशत के आंकड़े पर थी, वहीं आंध्र प्रदेश में चुनाव की पूर्वसंध्या पर हुए एक खास घटनाक्रम पर ही सबका ध्यान अटका था। मामला कई क्षेत्रों में वोटरों के बीच धन वितरित किए जाने के आरोपों से जुड़ा था और वोटिंग के बीच भी यह सवाल बना हुआ था कि चुनाव आयोग इन खबरों पर किस तरह से रिएक्ट करता है।

मतदाताओं का प्रदर्शन = हालांकि इस तरह के आरोप प्राय= हर चुनाव में देश के अलग-अलग हिस्सों से सुनने को मिलते हैं। लेकिन आंध प्रदेश का इस बार का मामला इस रूप में खास है कि इसमें मतदाताओं की अति सक्रियता ने पोल खोल दी। कई इलाकों में लोगों ने पैसों की मांग करते हुए या पैसा बांटने में गड़बड़ी की शिकायत करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।वादाखिलाफी का आरोप = यह मामला इस मायने में अभूतपूर्व कहा जा सकता है कि वोट के बदले कैश को अधिकार समझकर वोटरों ने इस मामले में हुई कथित वादाखिलाफी के खिलाफ सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन किया। कुछ लोगों की शिकायत थी कि कैश बांटते समय उन्हें छोड़ दिया गया तो कुछ अन्य मामलों में कैश का वादा नहीं निभाने का आरोप था।भ्रष्ट चलन की निरंतरता = साफ है कि इसके पीछे राजनीतिक दलों की ओर से गरीब मतदाताओं को कैश देकर उनके वोट खरीदने का बरसों पुराना चलन है। एक भ्रष्ट चलन का चुनाव-दर-चुनाव बने रहना कानून व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों और चुनाव आयोग की नाकामी तो है ही, लेकिन मामला यहीं तक सीमित नहीं है। इससे यह भी पता चलता है कि हमारे इस लोकतांत्रिक राष्ट्र में मतदाताओं को जागरूक बनाने का काम कितने आधे-अधूरे ढंग से आगे बढ़ा है।नहीं बदले हालात = एक बड़ा सवाल मतदाताओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति का भी है। जो मतदाता अपने वोट से पांच साल के लिए देश और राज्य के शासक चुनता है, वह इस अधिकार के इस्तेमाल की एवज में चाहता क्या है तो महज एक से छह हजार रुपये के बीच की कोई रकम। इससे अगर वोट देने के अपने अधिकार को लेकर उसकी कमजोर समझ उजागर होती है तो यह भी स्पष्ट होता है कि उसकी अपनी जिंदगी के हालात कितने बुरे हैं। बीमारी व्यापक है = कैश वितरण की ये घटनाएं भले ही समाज के कमजोर माने जाने वाले हिस्सों की कहानी कहते हों, यह बीमारी अन्य कथित रूप से मजबूत माने जाने वाली हिस्सों में भी है। इसका उदाहरण भी आंध्र प्रदेश में ही मिल गया जब ये खबरें आईं कि कई पॉश माने जाने वाले अपार्टमेंट और गेटेड सोसायटी में ऋ्ख की तरफ से कई प्रत्याशियों के पास वोट की एवज में जेनरेटर और सोलर पावर की फरमाइशें भिजवाई गईं।

जैव विविधता का मूल्य समझना समय की मांग, धरती पर टिकाऊ भविष्य की दिशा में यही एक रास्ता

जैव विविधता के गॉडफादर के रूप में लोकप्रिय अमेरिकी पारिस्थितिकी विज्ञानी थॉमस ई. लवजॉय की एक मार्मिक टिप्पणी है, %जैविक विकास की अंतिम विडंबना यह हो सकती है कि मनुष्य के मस्तिष्क के माध्यम से आत्म-समझ प्राप्त करने के तुरंत बाद जीवन ने अपनी सबसे सुंदर रचनाओं को नष्ट कर दिया होगा।% जीवन की विविधता के मूल में एक मूलभूत सत्य निहित है = जगत में सबकुछ अंतर्संबंधों से बंधा है। जैव विविधता जीवन के स्थायित्व और चिरंजीविता के केंद्र में है, किंतु जैव विविधता के योग से भी परे अस्तित्व से आलोक से सराबोर जीवन स्वयं में नैसर्गिक विकास (इवोल्यूशन) की एक मनोरम गाथा का प्रतीक है। जैव विविधता ही जीवन की नैया की खेवनहार है। जितनी अधिक जैव विविधता, उतना ही अधिक जीवन का उत्कर्ष, उतना ही प्रबल जीवनगामी पृथ्वी का ब्रह्मांड में साम्राज्य!जैव विविधता जीवन की शाश्वतता की अनंत कथा है। जैव विविधता प्रकाश की जीवंत कहानी है, जिसे सूर्य का प्रकाश प्रकाश-संश्लेषण के माध्यम से जीवन ऊर्जा के अनंत रूपों में खिलकर आकाशगंगाओं को सुनाता है। प्रकाश की सृजनात्मक क्षमता असीमित है। पेड़-पौधों के पर्णहरित से अठखेलियां कर प्राकृतिक विकास के नवाचारों के झरोखे खोलता प्रकाश अनंत जीवों और पारिस्थितिक तंत्रों को निरंतर पोषित करता है। जीवन कथा को अमर बनाए रखने के लिए समय की धारा के साथ नई प्रजातियां और उनके आनुवंशिक रूप जीवन को समृद्धि और आनंद का उपहार देते रहते हैं।एक बहती नदी के समान ऊर्जा जीवन के विभिन्न माध्यमों से स्वयं को अभिव्यक्त करती है। पदार्थ निष्क्रिय होता है, ऊर्जा क्रियाशील। पदार्थ की क्रियाशीलता ऊर्जा के कारण ही होती है। संपूर्ण ब्रह्मांड की गतिशीलता का स्रोत ऊर्जा ही है। मुक्तावस्था में ऊर्जा विध्वंसक रूप ले सकती है, जिसे एन्ट्रॉपी कहते हैं। असंख्य जीव-वाहिकाओं में प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से प्रवेश कर सौर ऊर्जा एक रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदर्शित करती है। सभी जीवधारियों का व्यवहार और उनके कार्य-कलाप उसी ऊर्जा की रचनात्मक अभिव्यक्तियां हैं।मुक्तावस्था में यही ऊर्जा अराजक हो सकती थी। ऊर्जा जीवन की जितनी विविधता में क्रियाशील होगी, उतनी ही सृजनशीलता और संतुलन की अवस्था में होगी। इसी प्रकार, पृथ्वी की भी ब्रह्मांड के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका है। ब्रह्मांड की एन्ट्रॉपी को नियंत्रित कर एक ब्रह्मांडीय संतुलन स्थापित करना ही जैव विविधता-भरी पृथ्वी का अनुष्ठान है। पृथ्वी पर जीवन केवल पृथ्वी का ही नहीं, ब्रह्मांड का एक उपादान है। पृथ्वी का उदय ब्रह्मांड के विकास की अनवरत यात्रा का एक लक्ष्य रहा होगा। ब्रह्मांड में %बिग बैंग% की घटना से कालांतर में पृथ्वी-रूपी अमृत निकला, जैव विविधता जिसकी बूंदें हैं!ऐसे परिदृश्य पर विचार करें, जहां जीवन केवल एक ही प्रजाति के रूप में हो। ऐसा जीवन निरा अनिश्चित-सा होगा और ऐसी दशा में पृथ्वी कभी भी दुर्भिक्ष या किसी महामारी के कारण जीवन-विहीन हो सकती है। जीवों की घनी विविधता ने ऐसी संभावनाओं को क्षीण कर दिया। जीवन की स्थिरता, गतिशीलता और निरंतरता उसकी विविधता पर निर्भर है। जैव विविधता जीवन को जलवायु संबंधी अनियमितताओं के प्रति लचीला बनाती है और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम जीव समुदायों को पोषित करती है। विविधता स्वयं जीव समुदाय के लिए अस्तित्व का कारक है। जैव विविधता का समृद्ध भंडार जैव-रासायनिक चक्रों की निरंतरता सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्त, जैव विविधता पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखती है और जैवमंडल के जीवन-निर्वाह को संरक्षित करती है।जैव विविधता हमारे जिंदा ग्रह को जीवन-शक्ति प्रदान करती है। इस अद्भुत विविधता के जागरूक प्रबंधक के रूप में आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन के बहुरूप दर्शन को संरक्षित करना हमारा परम दायित्व है। पारिस्थितिक दार्शनिक हेनरिक स्कोलिमोस्की ने अस्तित्व संरक्षण के लिए जैव विविधता के आंतरिक मोल पर जोर देते हुए मानवता और प्रकृति के बीच गहन अंतर्संबंध को गहराई से स्पष्ट किया है। जीवों के पारस्परिक तालमेल और मानव सहित संपूर्ण जीवन के अस्तित्व के लिए जैव विविधता जीवन के मूल सार का प्रतीक है। जैव विविधता जीवन की रचनात्मकता की असंख्य अभिव्यक्तियों को दर्शाती है, जिसमें प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्र और आनुवंशिक विविधता का समृद्ध स्पेक्ट्रम सम्मिलित है और जो हमारे ग्रह पर स्वयं हमारी प्रजाति के अस्तित्व के पहले से निवास करते हैं। स्कोलिमोस्की की पारिस्थितिक दर्शन की अंतर्दृष्टि हमें जैव विविधता को केवल दोहन किए जाने वाले संसाधन के रूप में नहीं, वरन एक पवित्र विरासत के रूप में समझने के लिए प्रेरित करती है। सूक्ष्म जीव से लेकर विशालकाय रेडवुड तक, प्रत्येक जीव पारिस्थितिक संतुलन और स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए जीवन की जटिल प्रक्रियाओं में योगदान देते हैं। स्कोलिमोस्की की दृष्टि में, जैव विविधता जीवित पृथ्वी की परम आत्मा का प्रतीक है, जिसके बल पर हमारा जैव मंडल जीवन-शक्ति और संतुलन के साथ स्पंदित होता है। अभूतपूर्व पर्यावरण चुनौतियों के युग में जैव विविधता जीवन के अस्तित्व की कुंजी है। जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन में तेजी आ रही है और पारिस्थितिकी तंत्र बढ़ते खतरों का सामना कर रहा है, पारिस्थितिक दर्शन से मिला ज्ञान हमें प्रकृति के साथ अपने रिश्तों को फिर से जागृत करने और पारिस्थितिक प्रबंधन के प्रतिमान को अपनाने का आग्रह करता है। जैव विविधता से भावी पीढ़ियों के लिए सुख, समृद्धि और संतोष की विरासत सुनिश्चित होती है। हेनरिक स्कोलिमोस्की का पारिस्थितिक-दर्शन अस्तित्व के ब्रह्मांडीय स्पंदन के भीतर जैव विविधता के मोल का गहरा प्रमाण प्रस्तुत करता है। जैव विविधता को एक पवित्र विरासत के रूप में अपनाकर हम अपने ग्रह पर संपूर्ण जीवन के लिए अधिक सामंजस्यपूर्ण और टिकाऊ भविष्य की दिशा में एक रास्ता बना सकते हैं।

जोखिम तो हर टीके में होते हैं, ईमानदार संवाद के साथ जनता को स्वास्थ्य व्यवस्था पर भरोसा दिलाना जरूरी

जैसे ही एंग्लो-स्वीडिश फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटिश अदालत में यह स्वीकार किया कि उसकी कोविड-19 वैक्सीन कुछ दुर्लभ मामलों में टीटीएस (थ्रोम्बोसिस थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम) का कारण बन सकती है, भारत में खलबली मच गई। इसे स्वास्थ्य एवं विज्ञान की कम समझ रखने वाले सोशल मीडिया एन्फ्लुएंसर ने और तेजी से बढ़ाया। टीटीएस की वजह से लोगों में रक्त के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स में भी कमी आती है।? ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन, जिसे कोविशील्ड नाम दिया गया था, को भारत में पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ने तैयार किया और बेचा था। चूंकि देश में इन दिनों चुनावी मौसम?है, इसलिए अचानक ही यह मुद्दा सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक खेल का हिस्सा बन गया। एस्ट्राजेनेका ने दुनिया भर से अपने कोविड-19 टीके को वापस मंगवाने की पहल की। लेकिन यह मुद्दा खबरों में बना हुआ है। थाईलैंड के अनुसार देश भर में दी गई 4.87 करोड़ खुराक में से केवल सात मामलों में टीटीएस के संदिग्ध मामले पाए गए, जो खतरे की दर को कम दर्शाता है। भारत में इसके प्रति घबराहट का एक मुख्य कारण घरेलू राजनीति है। भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण अभियान चलाया, जो मुख्यत: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा। अब सत्ताधारी पार्टी को घेरने वाले सोशल मीडिया एन्फ्लुएंसर और विपक्षी नेता एस्ट्राजेनेका वैक्सीन विवाद में कूदकर राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। अब तक हम जानते हैं कि एस्ट्राजेनेका वैक्सीन के दुष्प्रभाव बहुत ही दुर्लभ हैं। 2021 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी इसका समर्थन किया। अप्रैल 2021 में डब्ल्यूएचओ ने कहा था, नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर वैक्सजेवरिया और कोविशील्ड टीकों के साथ टीटीएस का जोखिम नगण्य जान पड़ता है। ब्रिटेन के आंकड़ों से पता चलता है कि टीका लगवाने वाले दस लाख वयस्कों में से चार मामलों में टीटीएस का जोखिम था। यानी ढाई लाख पर एक मामला, जबकि यूरोपीय संघ में यह दर अनुमानित रूप से एक लाख पर एक मामला है। कोविड-19 टीकाकरण के बाद टीटीएस जोखिम को लेकर देशों को इसके हानि-लाभ का विश्लेषण करना चाहिए, जो स्थानीय महामारी विज्ञान, टीकाकरण के लिए लक्षित आयु वर्ग और वैकल्पिक टीकों की उपलब्धता पर विचार करता हो। इन दुर्लभ दुष्प्रभावों के जोखिम में भौगोलिक आधार पर भिन्नता हो सकती है। इसलिए सभी देशों में टीटीएस के संभावित मामलों का आकलन महत्वपूर्ण है। साक्ष्यों से पता चलता है कि वैक्सीन की पहली खुराक लेने के कुछ दिनों या हफ्तों बाद टीटीएस के लक्षण सामने आते हैं, न कि वर्षों बाद। यदि वैज्ञानिक समुदाय को कोविशील्ड वैक्सीन के संभावित दुर्लभ दुष्प्रभावों के बारे में पता था, तो फिर लोगों में इतनी दहशत क्यों है? इसका मुख्य कारण है कि टीका संबंधी प्रभावी संदेश के प्रसार के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए गए। प्रत्येक टीके के कुछ जोखिम होते हैं, लंबे समय से प्रचलित टीके के भी। लेकिन गंभीर दुष्प्रभाव दुर्लभ?हैं। इसके अलावा दुष्प्रभावों से संबंधित आंकड़े इकट्ठा करने का तंत्र भी पारदर्शी नहीं था और टीकाकरण के बाद के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करना प्राथमिकता में नहीं था। इससे गलतफहमी पैदा हुई।?हम चिंताओं को नकार नहीं सकते। कोविशील्ड समेत हरेक टीके के दुष्प्रभाव होते हैं,?इसकी पूरी?जांच होनी चाहिए। लोगों का विश्वास कायम करना जरूरी है, जो टीकाकरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य का आधार है। भारत में कोई संगठित टीका विरोधी आंदोलन नहीं है, फिर भी भारत को पोलियो मुक्त होने में कई दशक लगे। मुख्यत= उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों, खासकर अल्पसंख्यक समुदाय में छोटे बचों में टीका लगवाने को लेकर आपत्ति थी। उनके भय?को दूर करने के लिए काफी प्रयास करने पड़े थे। एनएफएचएस-5 (नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे) 2019-21 के अनुसार, देश में पूर्ण टीकाकरण कवरेज 76.1 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि चार में से एक बचा जरूरी टीकों से वंचित है। टीके के बारे में एक खुले ईमानदार संवाद की सख्त जरूरत है। जनता के भय को दूर कर यह भरोसा दिलाने की जरूरत है कि स्वास्थ्य व्यवस्था उन्हें निराश नहीं करेगी

चीन से बढ़ता आयात भी एक चुनौती है, कारोबारी भागीदारी में पिछड़ा अमेरिका यह असंतुलन चिंताजनक

विगत 12 मई को आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में चीन 118.41 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है। उसने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है।

पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में चीन से आयात 44.7 प्रतिशत बढ़कर 70.32 अरब डॉलर से 101.75 अरब डॉलर हो गया, जबकि चीन को भारत का निर्यात 16.66 अरब डॉलर रहा। प्रमुख रूप से लौह अयस्क, सूती धागा, कपड़े, हथकरघा, मसाले, फल और सब्जियां, प्लास्टिक और लिनोलियम जैसे क्षेत्रों में भारत का निर्यात बढ़ा है। चीन से आयात में वृद्धि के कारण भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 2023-24 में 85.09 अरब डॉलर हो गया।

यदि जीटीआरआई रिपोर्ट का विश्लेषण करें, तो पाते हैं कि चीन से आयात में कमी नहीं आने के कई कारण हैं।?भारत ने 2023-24 में चीन से 4.2 अरब डॉलर का टेलीकॉम व मोबाइल फोन आयात किया है, जो इस वर्ग में कुल आयात का 44 फीसदी है। इसी तरह, भारत ने कुल कंप्यूटर व प्रौद्योगिकी आयात का 77 प्रतिशत, नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़े उपकरणों के आयात का 65.5 प्रतिशत, इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी के कुल आयात का 75 प्रतिशत हिस्सा चीन से मंगाया है। साफ है कि भारत आवश्यक व रणनीतिक तौर पर बेहद जरूरी सेक्टर में भी चीन से आयातित उत्पादों पर काफी निर्भर है।

हालांकि पिछले एक दशक से स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करके चीन से आयात घटाने के प्रयास हुए हैं। चीनी सामान के बहिष्कार व सरकार द्वारा विभिन्न चीनी एप पर प्रतिबंध, चीनी सामान के आयात पर नियंत्रण, कई चीनी सामान पर शुल्क वृद्धि, सरकारी विभागों में चीनी उत्पादों की जगह यथासंभव स्थानीय उत्पादों के उपयोग को?प्रोत्साहन दिया है। पीएम मोदी द्वारा?स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने व वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीद को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया।

आत्मनिर्भर भारत अभियान में मैन्यूफैक्चरिंग के तहत 24 सेक्टर को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। पिछले दो वर्ष में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपये आवंटित किए। अब देश के कुछ उत्पादक चीन के कच्चे माल का विकल्प बनाने में सफल भी हुए हैं। चीन से व्यापार घाटा कम करने के लिए सरकार को और अधिक कारगर प्रयास करने होंगे, तो?दूसरी ओर देश के उद्योग-कारोबार क्षेत्र को भी चीन से व्यापार असंतुलन दूर करने के लिए प्रतिस्पर्धा करने के प्रयास करने होंगे। भारतीय निर्यातकों के समक्ष आ रहे बाजार पहुंच के मुद्दों को सरकार को प्राथमिकता के आधार पर चीन से बात करनी होगी। देश से निर्यात बढ़ाने और आयात घटाने के लिए अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण की रफ्तार तेज करने के साथ युवा श्रमशक्ति को कौशलयुक्त करना होगा। नई लॉजिस्टिक नीति और गति शक्ति योजना के कारगर क्रियान्वयन से लॉजिस्टिक लागत घट सकती है।

अब फिर से देशवासियों?को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग का संकल्प लेना होगा। यह समझना होगा कि चीन से व्यापार असंतुलन की गंभीर चुनौती के लिए सिर्फ सरकार ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि देश का उद्योग-कारोबार और कंपनियां भी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कलपुर्जे सहित संसाधनों के विभिन्न स्रोत और मध्यस्थ विकसित करने में प्रभावी भूमिका नहीं निभाई है। साथ ही?बड़ी कंपनियां शोध एवं नवाचार में भी बहुत पीछे हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि जीटीआरआई रिपोर्ट के मद्देनजर भारत व्यापार घाटा कम करने के लिए रणनीतिक रूप से तेजी से आगे बढ़ेगा। यह भी उम्मीद है कि जिस तरह भारत ने भारतीय खिलौना उद्योग को पल्लवितङ्कपुष्पित करके चीनी खिलौनों के आयात में भारी कमी की, उसी तरह उद्योग-कारोबार के अन्य क्षेत्रों में भी चीन से आयात घटाने व निर्यात बढ़ाने के नए उपाय किए जाएंगे। साथ ही देश के बाजार में चीनी उत्पादों के वर्चस्व को तोड़ने के लिए प्रमुख उद्योग और कारोबार स्थानीय विकल्प प्रस्तुत करने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेंगे।

नई छलांग, ओपन एआई के GPT 4 o से क्या नई संभावनाएं?

ओपन एआई ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की दुनिया में नया धमाका करते हुए सोमवार को लार्ज लैंग्वेज मॉडल का लेटेस्ट वर्जन जारी कर दिया जिसे नाम दिया गया है। अभी दुनिया जेनेरेटिव एआई के मौजूदा मॉडलों द्वारा किए जाने वाले कमालों से उपज रहे अवसरों और जोखिमों को ही समझने की कोशिश कर रही थी कि इस नए टूल ने संभावनाओं की एक बिल्कुल नई खिड़की खोल दी है।

जेनरेटिव एआई का नया दौर

खासियत है कि यह टेक्स्ट, ऑडियो और इमेज तीनों फॉरमैट में निर्देश लेते हुए अभूतपूर्व तेजी से रेस्पॉन्स दे सकता है। यह चेहरे के भाव भी पढ़ सकता है और वातावरण की ध्वनियों को भी संज्ञान में लेते हुए उन्हें समझ सकता है। इन वजहों से अब तक के मॉडलों से कहीं आगे की चीज हो गया है।

कई भूमिकाएं

इसके साथ इंटरएक्शन की संभावनाओं पर विचार करें तो एक ट्रांसलेटर, एक टीचर, एक वर्क असिस्टेंट, एक टुअर गाइड और किसी दृष्टि बाधित व्यक्ति की आंख जैसी भूमिकाओं में इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। रियलटाइम ट्रांसलेशन इसकी एक अहम विशेषता है जो अलग-अलग भाषा जानने वाले

लोगों के बीच सहज बातचीत को संभव बना सकती है। साफ है कि आने वाले समय में हम वैश्विक स्तर पर संवाद प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव देख सकते हैं।

बढ़ी हुई प्रॉडक्टिविटी

इस बात को लेकर लगभग आम राय रही है कि,द्ध और जेनरेटिव ,द्ध का इस्तेमाल प्रॉडक्टिविटी बढ़ाता है। इस सिलसिले में माइक्रोसॉफ्ट की ओर से बेस्ड कोडिंग असिस्टेंट का इस्तेमाल करने वाले वर्करों के बीच हाल में करवाया गया एक मेटा-रिव्यू बताता है यूज करने वाले वर्कर नॉन-यूजर्स के मुकाबले 26 से 73 फीसदी ज्यादा तेजी से काम पूरा करते हैं।

सहायक या प्रतिद्वंद्वी

लेकिन बड़ी बात यह है कि जो अब तक इंसान के सहायक की भूमिका में था, वह तेजी से उसकी जगह लेता दिख रहा है। वह न केवल इंसान की तरह बल्कि उससे ज्यादा तेजी से और उससे ज्यादा सटीकता से सोच, समझ और फैसले ले सकता है। इंसान से निर्देश लेने की उसकी जरूरत भी लगातार कम होती जा रही है। जाहिर है, ऐसे में आंखें मूंदकर बढ़ते जाना कोई अच्छा विकल्प नहीं कहा जाएगा।

निष्कर्ष में जल्दबाजी नहीं

ध्यान रखना होगा भी इस फील्ड की एक शुरुआती छलांग ही है। जिस तरह के प्रयोग चल रहे हैं, वे आने वाले वर्षों में हमारी दुनिया को किन स्तरों पर और कितना बदलेंगे, इसका अभी सही ढंग से अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता। इसलिए अभी कोई निष्कर्ष निकालने की जल्दबाजी करने के बजाय संभल-संभल कर और सोचते-समझते हुए एक-एक कदम बढ़ाते चलना ही बेहतर होगा।

अभिनय के साथ-साथ पढ़ाई में भी माहिर हैं ये साउथ हसीनाएं, एक ने तो की है मेडिकल की पढ़ाई

सितारों की निजी जिंदगी के बारे में जानने के लिए फैंस हमेशा उत्सुक रहते हैं। अपने चेहते सितारे से जुड़ी हर बात जानकर फैंस को एक अलग ही खुशी मिलती है। बॉलीवुड की तरह साउथ सितारों की भी तगड़ी फैन फॉलोइंग होती है। ऐसे में आज साउथ फिल्मों की उन हसीनाओं के बारे में बात करेंगे, जो अभिनय के साथ-साथ पढ़ाई में भी माहिर हैं। अभिनय में आने से पहले इन अभिनेत्रियों ने अपनी पढ़ाई पूरी की है। उसके बाद इंडस्ट्री में अपनी जबर्दस्त पहचान बनाई है। तो चलिए आज हम इस लेख में जानते हैं कि साउथ की ये हसीनाएं कितनी पढ़ी लिखी हैं...

साउथ अभिनेत्री श्रुति हासन इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। श्रुति हासन अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियों में रहती हैं। अभिनय के साथ-साथ वे पढ़ाई में भी आगे हैं। श्रुति हासन ने मुंबई के सेंट कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की है। उन्होंने सोशियोलॉजी से ग्रेजुएशन किया है। साउथ इंडस्ट्री की सबसे मशहूर अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। बाहुबली से पहचान बनाने वाली अनुष्का एक्टिंग के साथ पढ़ाई में भी आगे रही हैं। उन्होंने बैचलर ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में डिग्री हासिल की है। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की काफी फैन फॉलोइंग है। सामंथा रुथ प्रभु अदाकारी में बॉलीवुड हसीनाओं को भी मात देती हैं। शानदार अभिनय के साथ वह पढ़ाई में खूब आगे हैं। सामंथा ने कॉमर्स में डिग्री हासिल की हुई है। अभिनेत्री साई पल्लवी इन दिनों नितेश तिवारी की रामयण को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। साई पल्लवी साउथ की दमदार अभिनेत्रियों में से एक है। साई खूब पढ़ी लिखी हैं। वह मेडिकल की छात्रा रही हैं। साई पल्लवी ने त्बिलिसी स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से अपनी पढ़ाई की है। साउथ अभिनेत्री नयनतारा का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। साउथ के साथ-साथ बॉलीवुड में भी नयनतारा की खूब फैन फॉलोइंग है। अभिनेत्री की पढ़ाई की बात करें तो उन्होंने इंग्लिश लिटरेचर की डिग्री हासिल की हुई है।

औंधे मुंह गिरी राजकुमार की श्रीकांत हॉलीवुड के लंगूरों की पकड़ बरकरार

बॉक्स ऑफिस का हाल इन दीन कुछ खास नहीं चल रहा है। इन दिनों लगातार बॉक्स ऑफिस की कमाई धीमी होती हुई दिख रही है। बीते माह रिलीज हुईं कई फिल्में सिनेमाघरों पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं। वहीं, कई फिल्मों का तो टिकट विंडो पर एक हफ्ते टिकना भी मुश्किल रहा। इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर दो फिल्में राजकुमार राव की श्रीकांत और हॉलीवुड फिल्म किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स लगी हुई है, जो दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स भारत में अछा प्रदर्शन कर रही है। मगर बॉलीवुड फिल्म श्रीकांत से दर्शकों को खासी उम्मीदें थीं, जिसमें वह फेल होती दिख रही है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि बुधवार को इन फिल्मों का कैसा प्रदर्शन रहा... बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव, योतिका और अलाया एफ स्टारर फिल्म श्रीकांत सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शकों को इस फिल्म का शुरुआत से इंतजार था। दर्शकों की ओर से फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही हैं। मगर कमाई के मामले में फिल्म कुछ खास कमाल नहीं कर पा रही है। राजकुमार ने फिल्म में श्रीकांत बोला का किरदार निभाया है। ये फिल्म एक वास्तविक दृष्टिहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला की बायोपिक है। निर्देशक तुषार हीरानंदानी की ये फिल्म 40 करोड़ रुपये के बजट में बनकर तैयार हुई है। वीकेंड पर अछी कमाई करने के बाद पहले सोमवार को श्रीकांत औंधे मुंह गिर गई। कमाई की बात करें तो फिल्म ने पांचवे दिन 1.65 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं ताजा आंकडो के मुताबिक इस फिल्म ने छठे दिन एक करोड़ 50 लाख का बिजनेस किया है। इसी के साथ ही फिल्म कुल कलेक्शन 16.45 करोड़ रुपये हो गया है। हॉलीवुड फिल्म किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स भारतीय दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। इस फिल्म के आने के बाद बॉक्स ऑफिस पर हॉलीवुड के तीन बंदर अन्य फिल्मों पर भारी पड़ते दिखाई दे रहे हैं। इस फिल्म को भारत में डिनी इंडिया ने रिलीज किया है। रिलीज के पहले दिन से ये फिल्म जबर्दस्त कमाई कर रही है। ये फिल्म भारत में भी अछा प्रदर्शन करने में सफल रही है। किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स ने पांचवे दिन यानी मंगलवार को 1.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, ताजा आंकड़ो के मुताबिक छठे दिन फिल्म ने 1 करोड़ 79 लाख रुपये की कमाई की है। इसी के साथ ही अब फिल्म का टोटल कलेक्शन 17.29 करोड़ रुपये हो गया है।

जब विक्की ने घरवालों से कही थी कैटरीना से शादी करने की बात, तब क्या था उनके माता-पिता का जवाब

विक्की कौशल बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा अभिनेताओं में से एक हैं। उनकी अदाकारी से लेकर उनके डायलॉग बोलने तक के स्टाइल को सभी पसंद करते हैं। आज विक्की कौशल अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं। ऐसे में उनके फैंस उन्हें लगातार जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। विक्की के जन्मदिन पर एक पुराना किस्सा सुनाते है जब उन्होंने अपने माता-पिता को बताया था कि वह कैटरीना कैफ से शादी करना चाहते हैं, तो इस बात पर उनकी क्या प्रतिक्रिया थी।

कैटीना से शादी की बात को लेकर कैसी थी माता-पिता की प्रतिक्रिया विक्की कौशल ने बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ से 9 दिसंबर 2021 में शादी रचाई थी। दोनों अपनी शादीशुदा जिंदगी में बेहद खुश हैं। 2022 में, विक्की ने खुलासा किया था कि जब उन्होंने अपने माता-पिता से कैटरीना से शादी करने के फैसले को बताया था तो उनके माता-पिता की क्या प्रतिक्रिया थी। अभिनेता ने उनकी प्रतिक्रिया को याद किया और फिल्मफेयर के दौरान बताया, वे दोनों ही बेहद खुश थे। उसे वह बहुत पसंद करते हैं। वे दोनों उस व्यक्ति से बेहद प्यार करते हैं जो वह है। आगे विक्की ने कहा, मुझे लगता है कि जब आपके दिल में अच्छाई होती है, तो यह हमेशा हर चीज में दिखाई देती है। इस दौरान जब कैटरीना के साथ उनकी शादीशुदा जिंदगी के बारे में पूछा गया तो अभिनेता ने इसे अपनी जिंदगी का बेहद ही खूबसूरत पल बताया। आगे विक्की ने कहा, एक ऐसा जीवनसाथी मिलना जिसे जुड़ने के बाद उन्हें समझता है और जिसे वह अच्छी तरह से समझते हैं, यह सबसे अनोखा एहसास होता है।

विक्की की आने वाली फिल्में वर्कफ्रंट की बात करें तो विक्की जल्द ही फिल्म %लव एंड वॉर% में नजर आएंगे। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट और रणवीर कपूर नजर आएंगे। इसके अलावा विक्की फिल्म %छावा% में नजर आएंगे। यह एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसमें विक्की, छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े बेटे छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभाते नजर आएंगे। इसके अलावा विक्की फिल्म बैड न्यूज में भी नजर आएंगे। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में विक्की कौशल के साथ तृप्ति डिमरी नजर आएंगी।

हर्षद मेहता की स्कैम के तीसरे सीजन की घोषणा

वेब सीरीज के शीर्षक से भी उठा पर्दा

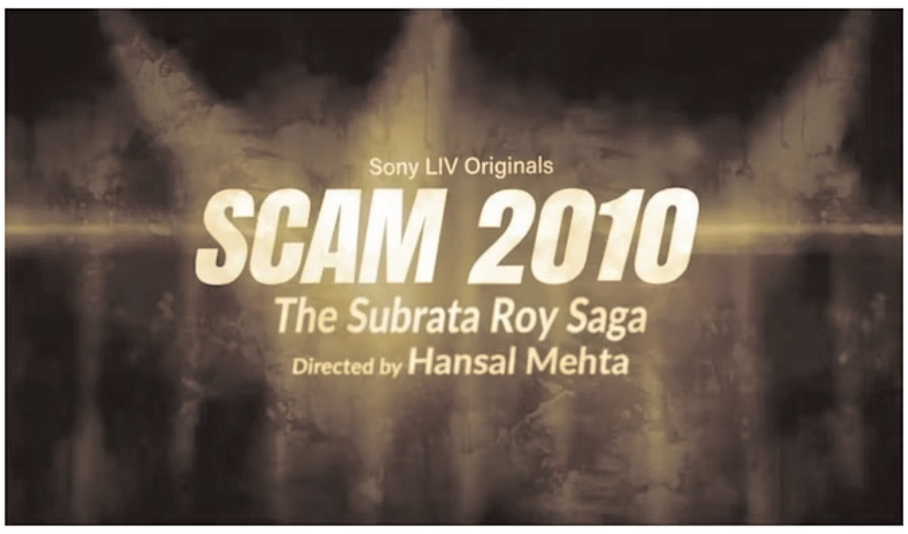

हर्षद मेहता की वेब सीरीज स्कैम 2003 दर्शकों को खूब पसंद आई थी। इस सीरीज के दो सीजन के बाद दर्शकों को इसके तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में मेकर्स ने आज इसके तीसरे भाग की घोषणा कर दी है। हंसल मेहता ने स्कैम के सीजन 3 की घोषणा करते हुए इसके टाइटल का भी खुलासा किया है। सीरीज का तीसरा भाग स्कैम 2010 द सुब्रत रॉय सागा शीर्षक के साथ वापस आ रहा है।

आन्या टेलर जॉय-क्रिस हेम्सवर्थ ने रेड कार्पेट पर बिखेरा जलवा, फ्यूरियोसा का हुआ प्रीमियर

फ्रांस में आयोजित 77वें कान फिल्म फेस्टिवल खूब सुर्खियों में छाया हुआ है। पूरी दुनिया के सिने प्रेमियों को कान फिल्म फेस्टिवल का बेसब्री से इंतजार रहता है। 14 मई को बड़ी धूमधाम और ग्लैमर के साथ कान फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन हुआ। इस दौरान हॉलीवुड के कई कलाकार %फ्यूरियोसा¬ ए मैड मैक्स सागा% के प्रीमियर के लिए इकट्ठा हुए। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले सितारों में आन्या टेलर जॉय और क्रिस हेम्सवर्थ की जोड़ी भी दिखाई दी। जॉर्ज मिलर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2015 की मैड मैक्स फ्रेंचाइजी की पांचवीं फिल्म फ्यूरियोसा 2015 की ऑस्कर विजेता हिट %मैड मैक्स¬ फ्यूरी रोड% पर आधारित है। पिछली फिल्म में इम्पीरेटर फ्यूरियोसा के रूप में चार्लीज थेरॉन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। नई फिल्म फ्यूरियोसा यानी आन्या टेलर जॉय पर केंद्रित है, जिसे उनके बचपन में वारलॉर्ड डिमेंटस यानी क्रिस हेम्सवर्थ द्वारा अपहरण कर लिया गया था ौर वे कई माताओं के ग्रीन प्लेस में अपने घर वापस जाने का रास्ता खोजने के लिए खुद को तैयार करती हैं। कान फिल्म में आन्या टेलर जॉय आइवरी गाउन में जलवा बिखेरा। उन्होंने नेकपीस और बोल्ड मेकअप के साथ अपना लुक पूरा किया। वहीं, क्रिस हेम्सवर्थ ने काली पैंट के साथ बेज सूट में बेहद हेंडसम लग रहे थे। आन्या टेलर जॉय द्वारा इंस्टाग्राम पर साझा किए गए पलों में हेम्सवर्थ उनके साथ मजाक करते नजर आए। लोगों को सोशल मीडिया पर ये जोड़ी खूब पसंद आ रही है। फैंस इनकी जमकर तारीफ कर रहे है। कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट की शोभा बढ़ाने के लिए आन्या टेलर जॉय और क्रिस हेम्सवर्थ की एंट्री ने सबका ध्यान खींच लिया। दोनों के फैशन ने फिल्म के प्रीमियर में चार चांद लगा दिए। %फ्यूरियोसा¬ ए मैड मैक्स सागा% मैड मैक्स फ्रेंचाइजी की पांचवीं किस्त है। इसमें टॉम बर्क, एंगस सैम्पसन, डैनियल वेबर और नाथन जोन्स भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 24 मई 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

36 के हुए विक्की कौशल, एक छोटे से चॉल से निकल इंडस्ट्री में बनाई पहचान

विक्की कौशल का नाम आज टॉप एक्टर्स की लिस्ट में शूमार होता है। लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए विक्की को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। विक्की पंजाब के होशियारपुर से ताल्लुक रखते हैं। उनका जन्म 16 मई 1988 को मुंबई के चॉल में हुआ था, जहां उनका बचपन बहुत ही छोटे कमरे में गुजरा था। लेकिन विक्की ने चॉल से मुंबई तक के सफर में कड़ी मेहनत करके आज वो मुकाम हासिल किया है, जिसे कोई मिटा नहीं सकता।इस फिल्म से मिली पहचानविक्की कौशल ने 2012 में बतौर असिस्टेंट डाइरेक्टर फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। इसके बाद विक्की ने फिल्म लव शव ते चिकन खुराना के अलावा कई फिल्मों में बतौर अभिनेता काम किया, लेकिन 2015 में आई फिल्म मसान में विक्की के काम को काफी सराहा गया। विक्की ने राजी और संजू जैसी फिल्मों में काम किया। फिल्म राजी और संजू में विक्की का साइड रोल ही था, लेकिन इसके बावजूद उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

छोटे परदे के वेद व्यास छोटन लाल सैनी की मार्मिक कहानी, बस मिला एक मौका फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा

मुंबई मनोरंजन जगत में अपनी धाक जमा रहे 'अमर उजाला' प्रसार क्षेत्र से आए हुनरमंदों से बातचीत की सीरीज 'अपना अड्डा' में इस बार बारी है, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिले सहारनपुर में सरसावा ब्लॉक के गांव अगवानहेड़ा में जन्मे छोटन लाल सैनी यानी कि सी एल सैनी की। खेतों में खुद से ही बातें करने वाले सी एल सैनी को 'छोटे परदे का वेद व्यास' भी कहा जाता है। धार्मिक धारावाहिकों के वह दिग्गज लेखक हैं। लेकिन, एक समय ऐसा भी रहा है जब मुंबई की सड़कों पर उन्होंने साइकिल से घूम घूमकर चाय बेची है। मुसीबतों में भी हिम्मत न हारने की मिसाल बन चुके सी एल सैनी से 'अमर उजाला' की एक खास मुलाकात।

किसान के बेटे के हाथ में आखिर कलम कैसे आई होगी भला? ये मुझे भी नहीं पता कि मुझे ये लिखने की कला कैसे आई? मुझे तो इसके बारे में खुद पहली बार तब पता चला जब सरसावा में दसवीं क्लास में पढ़ते समय स्कूल में हुई एक निबंध प्रतियोगिता में मैंने पहली बार हिस्सा लिया और प्रथम पुरस्कार जीत लिया। उसके पहले तो घरवाले यही कहते थे कि इसमें कुछ तो गड़बड़ है, खेतों के बीच खड़े होकर खुद से बातें करता है, फिल्मों के डॉयलॉग बोलता रहा है। क्या ही करेगा, हमारा बालक! लेकिन, निबंध प्रतियोगिता जीती तो लिखने की ललक सी चढ़ गई। पिताजी इकाराम सैनी किसान थे। उनकी तरह मेरी मां भी अनपढ़ और वहां से निकलकर आज यहां तक मैं कैसे पहुंच गया, बस ईश्वर का आशीर्वाद ही कह सकते हैं।

सरसावा से टीवी सीरियल तक का सफर शुरू कैसे हुआ? कह सकते हैं कि बरास्ते रंगमंच। मैंने स्कूल की पढ़ाई करने के बाद जब कॉलेज में बीएससी की पढ़ाई शुरू की तो उन्हीं दिनों मैं भारतीय जनता पार्टी के विधायक मोहर सिंह का पीए बन गया। खतो किताबत का काम मिला। मायावती भी उन्हीं दिनों मुख्यमंत्री बनी थीं और जब वह दारुलशफा वाला चर्चित कांड हुआ, तब मैं वहीं था। बाद में समाजवादी पार्टी के सांसद जगपाल सिंह के साथ भी रहा। लेकिन, एक जातीय विवाद के दौरान हुई बहस के बाद मैं सियासत से छिटका और रंगमंच पर आ गया। इप्टा के साथ जुड़कर कुछ नाटकों में अभिनय भी किया।

अभिनय का कहीं से प्रशिक्षण भी लिया क्या?

मैंने लखनऊ की भारतेंदु नाट्य अकादमी में प्रवेश लेने की दो बार कोशिश की लेकिन सफल नहीं हुआ। 1997 में मैं दिल्ली आ गया और वहां श्रीराम रंग सेंटर से दो साल का कोर्स किया। साहित्य कला परिषद की रिपर्टरी में काम भी चल निकला। ये सब करते करते मैंने नाटक और कविताएं भी लिखनी शुरू कर दीं। लेकिन, इसमें भी मन नहीं लग रहा था। कोर्स करने के लिए फीस के पैसे नहीं थे तो मुझे अपनी जमीन बेचनी पड़ी। मैं तभी मुंबई आना चाहता था, लेकिन इसके लिए पैसे ही नहीं थे। तो मैं घर चला गया। वहां से उत्तरकाशी गया। स्वांग करने वालों के साथ रहा। पहाड़ों की लोककथाओं पर नाटक लिखने का बड़ा मन था, लेकिन इस सबके लिए पैसे चाहिए थे..

अनुषा के साथ अपने ब्रेक-अप पर खुलकर बोले हीरामंडी स्टार जेसन, कहा- वे मुझे नहीं समझती थीं

अभिनेता जेसन शाह इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। वे संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज %हीरामंडी% में ब्रिटिश ऑफिसर %कार्टराईट% की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। दर्शकों को इस शो में उनका किरदार काफी पसंद आ रहा है। हाल ही में जेसन एक इंटरव्यू के दौरान अपने करियर के अलावा अपनी निजी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बातें करते दिखे।

जल्दबाजी में शुरू हुआ था रिश्ता

%हीरामंडी% स्टार जेसन शाह अपने करियर के अलावा अपनी निजी जिंदगी की वजह से भी सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में जब एक इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि आखिर किस वजह से वीजे और अभिनेत्री अनुषा दांडेकर से ब्रेकअप हुआ था। इस सवाल के जवाब में अभिनेता कहते हैं, %सच कहूं तो मुझे लगता है कि मैंने काफी जल्दीबाजी की थी। मैं बिना सोचे-समझे शायद उस रिलेशनशिप में चला गया था%।

अनुषा नहीं समझती थीं मुझे

जेसन शाह आगे कहते हैं, %कभी-कभी ढंग से अपनी बात नहीं रख पाने की वजह से भी रिश्ते टूट जाते हैं। मुझे लगता है कि हमारे साथ भी यही हुआ। हमारी बातें नहीं हो पाती थी और इस वजह से गलतफहमियां बढ़ती गईं। मुझे लगता है कि वे मुझे नहीं समझ पा रही थीं। मुझे एक बॉक्स में फिट करने की कोशिश की जा रही थी जो गलत था इसलिए भी हम अलग हो गए।

आध्यत्मिक बदलाव लाया ब्रेकअप

हीरामंडी से पहले जेसन शाह %झांसी की रानी और बिग बॉस% जैसे शो का हिस्सा रह चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जेसन और अनुषा साल 2021 में थोड़े समय के लिए एक-दूसरे के साथ रिलेशनशिप में थे। जेसन कहते है, %ब्रेकअप के बाद मुझ में कई बदलाव आए। मेरा रुझान अध्यात्म की तरफ हुआ है। मैं अब चीजों को और बेहतर तरीके से देख और समझ पा रहा हूं।

गुन्नौर क्षेत्र में रेत, पत्थर मुरुम का हो रहा अवैध उत्खनन

जिम्मेदार बने अनजान, साधी चुप्पी

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना, पन्ना जिले के गुन्नौर अनुविभागीय राजस्व क्षेत्र में जब से एस डी एम रामनिवास चौधरी पदस्थ हुए हैं तब से गुन्नौर क्षेत्र में अवैध उत्खनन तेजी से होने लगा है।गुन्नौर अनुविभागीय राजस्व क्षेत्र में रेत ,पत्थर ,मुरुम का अवैध उत्खनन और अवैध परिवहन का खेल इतनी तेजी से शुरू हो गया है कि अवैध उत्खनन करने वाले तालाबों की मेड़ तक फोड़ने में उतारू हो चले है।गुन्नौर अनुविभाग राजस्व के सलेहा उपतहसील,अमानगंज तहसील, गुन्नौर तहसील , नगर परिषद क्षेत्र तक मे रेत ,पत्थर ,मुरुम के अवैध उत्खनन होने से जहां एक ओर राजस्व की हानि तो हो रही तो वही दूसरी तरफ इन पर कार्यवाही न होने के चलते अवैध उत्खनन के कार्य मे लगे माफियाओं के होंसले बुलन्द होते जा रहे हैं।सूत्र बताते हैं कि क्षेत्र में साहब नाम बड़ा चर्चा में है जिनके सरक्षण में यह पूरा अवैध उत्खनन का कार्य किया जा रहा है।अब यह साहब नाम का व्यक्ति कोई अधिकारी है या कोई दलाल यह तो जांच का विषय है।फिलहाल गुन्नौर राजस्व क्षेत्र में भारी मात्रा में कई जगह रेत ,मुरूम और पत्थर का अवैध उत्खनन हो रहा है और जिम्मेदार अधिकारी अनजान बनते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पहले रहे फर्जी बी पी एल कार्ड चर्चा में, अब क्षेत्र में हो रहे अवैध उत्खनन: गुन्नौर क्षेत्र का राजस्व विभाग कुछ दिनों पहले फर्जी बी पी एल कार्ड को लेकर चर्चा में रहा है।अभी भी कई ऐसे बी पी एल कार्ड धारक है जो बी पी एल के नियमों को पूरा नही करते इसके बावजूद भी उनके बी पी एल कार्ड जारी कर दिए गए थे।यदि जांच हो जाये तो लगभग 70त्न बी पी एल कार्ड धारी नियमों से बाहर मिलेंगे।कुछ माह पूर्व राम निवास चौधरी गुन्नौर तहसीलदार के पद पर पदस्थ थे।जो अपनी कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा में बने रहे ।प्रोमोशन होने के बाद इनका स्थानांतरण गुन्नौर से छतरपुर जिला हो गया था।मगर कुछ माह बाद ही वापिस उसी राजस्व अनुविभाग क्षेत्र में जिसमे वह कुछ माह पहले तहसीलदार रहे अब वही एस डी एम के पद पर पदस्थ हो गए है।वर्तमान समय मे क्षेत्र में रेत,पत्थर, मुरुम अवैध उत्खनन भारी मात्रा में चल रहा है।अब देखना होगा गुन्नौर में पदस्थ एस डी एम राम निवास चौधरी गुन्नौर अनुविभागीय राजस्व क्षेत्र में चल रहे अवैध उत्खनन पर कब तक कार्यवाही करते हैं।

देवबंद पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग को मेले के आयोजन को सुंदर और भव्य रूप देने के लिए किया गया सम्मानित

भाजपा पदाधिकारियों ने पटका पहनाकर और मिठाई खिलाकर अभिनंदन व सम्मान किया

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर। देवबंद, भाजपा पदाधिकारियों की ओर से देवबंद नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विपिन गर्ग को भव्य और सुंदर मेला भरवाने पर पटका पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन व सम्मान किया गया। इस वर्ष माता त्रिपुर बाला सुंदरी जी के प्रांगण में अपने कार्यकाल प्रथम वर्ष में पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग ने मेले के आयोजन को सुंदर और भव्य रूप दिया। इस वर्ष माता के भक्तों को किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा और इस बार मेले में हर वर्ष की भांति भारी भीड़ देखने को मिली। इस वर्ष साफ़- सफ़ाई का विशेष ध्यान दिया गया और मेले में किसी भी दुकानदार को भी किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हुई। मेला चेयरमेन अंकित राणा व मेला कमेटी नगर पालिका के सभी कर्मचारियों ने भी मेले को सुचारू रूप से चलाने में अपना पूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में सहकारी साधन समिति के चैयरमैन ओमपाल चौधरी, नगर उपाध्यक्ष विकास त्यागी, सभासद विपिन त्यागी, पूर्व सभासद सरदार बालेंद्र सिंह, पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष लक्की वर्मा, नगर मंत्री आलोक खटीक, रवि होरा आदि उपस्थित रहे।

कटनी में देर रात शहर मैं मौजूद होटलों की आकस्मिक जांच पर निकली पुलिस

सख्त हिदायत देते हुए कहा- आने वाले किसी भी व्यक्ति पर अगर जरा भी संदेह हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, नगर में आपराधिक घटनाओं एवं संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए शहर कोतवाल आशीष शर्मा गत देर रात्रि शहर मैं मौजूद होटलों की आकस्मिक जांच पर निकले। होटल में आने जाने वालों के दस्तावेज खंगालते हुए उन्होंने होटल संचालकों को सख्त लहजे में हिदायत देते हुए कहा कि यहां आने वाले किसी भी व्यक्ति पर अगर जरा भी संदेह हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें और होटल में कौन आता जाता है इसकी हर दिन की जानकारी थाने में दें।

बाजार क्षेत्र एवं होटलों की आकस्मिक जांच पर निकले कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने जांच प्रक्रिया के संबंध में बातचीत करते हुए कहा कि पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के द्वारा संदिग्ध एवं अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए बाजार क्षेत्र, होटल, सार्वजनिक गली, चौराहों की आकस्मिक जांच के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में मंगलवार रात्रि में सर्वप्रथम दलबल के साथ बाजार क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर परिस्थितियों का जायजा लेते हुए संदेहियों पर नकेल कसने के लिए उनसे पूछताछ की गई। शहर कोतवाल थाना प्रभारी ने कहा कि बाजार क्षेत्र का भ्रमण करने के उपरांत शहर में मौजूद विभिन्न होटलों की आकस्मिक जांच की गई। इस दौरान होटल के आगंतुक रजिस्टर को चेक करते हुए होटल संचालकों को यह भी हिदायत दी गई है कि आगंतुक रजिस्टर में दर्ज जानकारी प्रतिदिन कोतवाली थाने को उपलब्ध कराएं एवं होटल में आने वाले किसी भी व्यक्ति को लेकर अगर कोई संदेह उत्पन्न होता है तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें।

कोतवाली पुलिस ने मिशन चौक पर चलाया विशेष चेकिंग अभियान

संदिग्धों को लगाई फटकार

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, शहर में ई-रिक्शा चालकों की धमाचौकड़ी और उनकी मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए यातायात एवं कोतवाली पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नाबालिक ई-रिक्शा चालकों एवं संदिग्ध व्यक्तियों को कड़ी फटकार लगाई गई। कोतवाली टीआई आशीष शर्मा ने कहा कि पहले पुलिस वेरिफिकेशन कराओ, इसके बाद ही सडक़ पर वाहन चलाना। यदि बिना पुलिस वेरिफिकेशन के पाए गए तो सीधे जेल भेजने की कार्यवाही की जाएगी। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन द्वारा ई-रिक्शा चालकों पर अंकुश लगाने के निर्देश प्रदान किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्राप्त निर्देशों के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में मंगलवार की शाम मिशन चौक पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान क्षेत्र का भ्रमण करते हुए संदेहियों की तलाशी भी ली गई। मिशन चौक पर जांच करते हुए नाबालिक ई रिक्शा चालकों एवं ऑटो चालकों सहित अन्य तीन पहिया वाहन चालकों को कड़े शब्दों में पुलिस वेरिफिकेशन कराने के निर्देश दिए गए। उन्हें यह भी बताया गया कि यदि अगली बार बिना पुलिस वेरिफिकेशन के वाहन चलाते पाए गए तो सख्त कार्यवाही की जाएगी। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने कहा कि कुछ एक आपराधिक मामलों में ऑटो चालकों की संलिप्तता पाई गई है। इस बात को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर ऑटो चालकों की जांच करने के लिए इस तरह की कार्यवाही भविष्य में लगातार की जाती रहेगी।

बिना दस्तावेज चला रहे थे ई-रिक्शा

यातायात पुलिस ने नियमों के उल्लंघन पर की चालानी कार्यवाही

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, यातायात पुलिस द्वारा थाना प्रभारी राहुल पांडे के नेतृत्व में मिशन चौक पर ई-रिक्शा एवं आटो की सघन जांच की गई। इस दौरान एक सैकड़ा ई-रिक्शा वाहनों के खिलाफ कार्यवाही को अंजाम दिया गया। यातायात पुलिस की इस कार्यवाही से हडक़ंप की स्थिति निर्मित रही। यातायात थाना प्रभारी राहुल पांडे ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन द्वारा ई-रिक्शा चालकों पर अंकुश लगाने के निर्देश प्रदान किए गए हैं। जिस पर कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी क्रम में कल शाम मिशन चौक पर विशेष जांच की गई। जांच में बहुत से ई-रिक्शा चालक ऐसे मिले, जो कि बिना दस्तावेज के ही शहर में फर्राटा भर रहे थे। कई ई-रिक्शा चालकों के द्वारा यातायात नियमों की खुलेआम अवहेलना की जा रही थी। ऐसे सभी वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए उनसे जुर्माना वसूल किया गया। यातायात थाना प्रभारी श्री पांडे ने कहा कि ई रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्यवाही का क्रम आगे भी जारी रखा जाएगा।

कटनी में हुई प्रेमी द्वारा प्रेमिका के मां पर बंदूक से फायर कर घायल करने का मामला

युवक को अरेस्ट करते हुए उसके कब्जे से देशी पिस्टल जब्त

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी जिले के स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पड़वार ग्राम में विगत दिवस नाबालिक प्रेमी ने अपनी नाबालिक प्रेमिका के मां पर बंदूक से फायर कर घायल कर दिया था जिस मामले में स्लीमनबाद पुलिस ने अरेस्ट करते हुए उसके कब्जे से देशी पिस्टल जब्त कर न्यालय में पेश किया है।

कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया की विगत दिनों स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पड़वार ग्राम में विगत दिवस नाबालिक प्रेमी कान्हा चौबे ने अपनी नाबालिक प्रेमिका की मां शिल्पा सिंह पर बंदूक से फायर कर घायल कर मौके से फरार हो गया था। दरअसल ग्राम की निवासी एक नाबालिक युवती और नाबालिक आरोपी कान्हा चौबे के बीच प्रेम संबध चल रहा था और प्रेमी ने अपनी प्रेमिका को अपने ही घर पर रखे हुए था और कुछ दिन पहले ही नाबालिक प्रेमी कान्हा चौबे का एक्सिडेंट भी हुआ था जिसे देखने के बहाने नाबालिक प्रेमिका की मां शिल्पा सिंह उसके घर पहुंची और अपनी बेटी को वापस ले जाने की जिद्द करने लगी जिसके बाद नाबालिक प्रेमी कान्हा चौबे का अपने प्रेमिका की मां शिल्पा सिंह से विवाद शुरू हो गया और कान्हा चौबे ने तुरंत ही अपने पास रखी देखी पिस्टल से शिल्पा सिंह पर फायर कर मौके से फरार हो गया जिसे स्लीमनबाद पुलिस ने जंगलों में खोजबीन करते हुए अरेस्ट उसके पास से देशी पिस्टल जब्त किया है और आरोपी नाबालिक कान्हा को न्यालय में पेश किया है.

आज बिहार दौरे पर अमित शाह

रात में बीजेपी नेताओं के साथ करेंगे मंथन, सुशील मोदी के परिवार से भी मिलेंगे

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य और देश के गृह मंत्री अमित शाह देर शाम बिहार दौरे पर आ रहे हैं. वह राजधानी पटना के होटल मौर्य में रात्रि विश्राम करेंगे. पांचवें, छठे और सातवें चरण के चुनाव को लेकर गृह मंत्री बीजेपी नेताओं के साथ रणनीति तैयार करेंगे. इसके साथ ही बागी नेताओं से निपटने के लिए भी एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा. मिल रही जानकारी के मुताबिक गृहमंत्री चुनाव के मैदान में उतरे बागी नेताओं को लेकर बड़ा निर्णय ले सकते हैं. काराकाट में जहां भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह एनडीए कैंडिडेट उपेंद्र कुशवाहा के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं बक्सर में पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा भी बीजेपी कैंडिडेट मिथिलेश तिवारी के खिलाफ मैदान में हैं. ऐसे में सब की निगाहें अमित शाह पर टिकी है. माना जा रहा है कि गृहमंत्री इन दोनों नेताओं के खिलाफ कोई कदम उठा सकते हैं. दोनों का बीजेपी से संबंध रहा है।

लवली आनंद के पक्ष में जेपी नड्डा ने किया चुनाव प्रचार

कहा-झूठा भ्रम फैलाने वाले इंडी गठबंधन के झांसे में ना आएं

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

सिकरहना, शिकारगंज खेल मैदान में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उसके बाद शिवहर के सिरौना (चिरैया) में चुनाव प्रचार किया। जेपी नड्डा ने शिवहर लोकसभा से एनडीए प्रत्याशी लवली आनंद के पक्ष में वोट देने की अपील लोगों से की। इस मौके पर एनडीए के तमाम घटक के नेता और विधायक मौजूद रहे। सभी नेताओं ने लवली आनंद के पक्ष में चुनाव प्रचार किया और लोगों को लवली आनंद को वोट देने की अपील की। इंडी गठबन्धन पर हमला बोलते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि इस गठबन्धन के लोग भगवान राम को काल्पनिक बता इससे जुड़े मुकदमे को लंबित करने का काम किया था। इंडी गठबन्धन वाले सनातन विरोधी हैं। इनके गठबन्धन के नेता जब सनातन धर्म के बारे में टिप्पणी करते है तो राहुल गांधी सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी चुप्पी साध लेते है। उन्होंने कहा कि हमारे नेता पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण भारत ने जापान को भी पीछे छोड़ दिया है आने वाले समय में 60 वर्ष तक के सभी बुजुर्गों को केंद्र सरकार आयुष्मान कार्ड देगी ताकि उनका बेहतर इलाज संभव हो सके। 4 जून को जब चुनाव परिणाम आएगा तो पीएम मोदी तीसरी बार पीएम बनेंगे।

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक मतदान कराए जाने के उद्देश्य से जारी किए गए आदेश

हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा राज्य की सीमा से जनपद की 03 किमी सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्त आबकारी अनुज्ञापन की दुकानें रहेंगी बन्द :- डीएम डॉ दिनेश चंद्र

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 दिनेश चन्द्र ने लोक सभा सामान्य निर्वाचन के अन्तर्गत हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश राज्य में मतदान एवं मतगणना के दृष्टिगत जनपद सहारनपुर की सीमावर्ती क्षेत्रों की 03 किलोमीटर क्षेत्र में लोक शांति बनाए रखने, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक मतदान कराए जाने के उद्देश्य से समस्त आबकारी अनुज्ञापन की दुकानें बन्द रखने के निर्देश दिए है।डॉ0 दिनेश चन्द्र ने हरियाणा राज्य में निर्वाचन के दृष्टिगत 23 मई 2024 की सांय 06:00 बजे से 25 मई 2024 को मतदान समाप्ति तक एवं हिमाचल प्रदेश में निर्वाचन के दृष्टिगत 30 मई 2024 की सांय 06:00 बजे से मतदान की तिथि 01 जून 2024 को मतदान की समाप्ति तक तथा मतगणना दिवस 04 जून को सहारनपुर की सीमावर्ती क्षेत्रों की 03 किलोमीटर क्षेत्र की आबकारी अनुज्ञापन की दुकानें बन्द रखने एवं शुष्क दिवस घोषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मादक पदार्थों को कब्जे में रखे जाने की सीमा नियंत्रित रखने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि बन्दी की अवधि के लिये अनुज्ञापियों को कोई प्रतिफल देय नहीं होगा।

आगामी 19 मई को सहारनपुर में होने वाली भगवान परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा

गांव-गांव जाकर किया गया जा रहा प्रचार

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, भगवान परशुराम जन्मोत्सव यात्रा के कार्यक्रम के संयोजक अतुल पाराशर आज अपनी पूरी टीम के साथ आगामी 19 मई को सहारनपुर में होने वाली भगवान परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा के प्रचार के लिए निकले एवं गांव-गांव जाकर प्रचार किया। अतुल पाराशर आज अपनी पूरी टीम के साथ देवबंद विधानसभा के अंतर्गत आने वाले गांव नूरपुर, अम्बेहटा, जखवाला, नन्हैडा खुर्द, डेहरा, रणखंडी, तल्हेडी बसेड़ा आदि की गांवों में पहुंचे और भगवान परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा के लिए प्रचार किया। इस दौरान अतुल पाराशर, मुकेश दीक्षित, रोहित कौशिक, शुभम वत्स, दुष्यंत शर्मा, राजेश पंडित, सूर्या शर्मा, कुलदीप भारद्वाज, पंडित दल्हेडी ने कहा कि आने वाली 19 तारीख को सुबह 8:00 बजे हरि मंदिर आवास विकास से भगवान परशुराम जी की शोभायात्रा प्रारंभ होगी जो कोर्ट रोड घंटाघर से होते हुए जनमंच पर समाप्त होगी। वहां पर एक सभा का आयोजन भी किया जाएगा। इस दौरान सभी ने कहा कि सभी लोग अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम और शोभायात्रा को सफल बनाए। सहारनपुर को परशुराम मय कर दें। इस अवसर पर देवेंद्र शर्मा जखवाड़ा, मुकेश दत्त शर्मा, संजय शर्मा, भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष संदीप शर्मा एडवोकेट, आशीष शर्मा एडवोकेट, मनोज भारद्वाज, प्रवीण शर्मा, विनय शर्मा कुलसठ, कुलदीप प्रधान कुलसठ, लोकेश वत्स एडवोकेट, मोहित शर्मा, प्रिंस कौशिक, दिव्यांशु शर्मा, शशिकांत शर्मा आदि उपस्थित रहे।

बेसहारों का सहारा बनकर अपनत्व का भाव परिवार जैसा माहौल बनाकर

बड़वानी के जिला चिकित्सालय के टी . बी . वार्ड में पदस्थ शासकीय कर्मचारियों द्वा बसरा मानवता का धर्म निभा रही है

जिला मुख्यालय बड़वानी का टी.बी. वार्ड में पदस्थ शासकीय कर्मचारियों का स्टाफ जो भर्ती मरीजों की स्वास्थ्य सुविधा तो देख रहा है तथा इस भर्ती वार्डो में जिनके परिवार साथ मे नही है तथा अज्ञात पहचान के कारण यहाँ स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए भर्ती है तथा स्वास्थ इलाज के साथ ही कुछ अत्यधिक वृद्ध होकर आंखें कमजोर होने से दिखाई नहीं देना तथा मानसिक रूप से कमजोर भी है ।मरीजों की देखभाल दिए जाने वाले इलाज के लिए इंजेक्शन ,गोलियां व स्लाइन चढ़ा कर समय-समय पर इलाज वही मुहैया कर रही है । नया समय पर भोजन नाश्ता इत्यादि भी कर रही है शासकीय सेवाओं के अलावा मानव सेवा धर्म भी निभा रही है अज्ञात असहाय मरीजों को समय समय पर खाना खिलाना तथा उन्हें किसी भी प्रकार का भेदभाव ना करते

हुए अपने परिवार के सदस्य मानते हुए उन्हें नहलाना धुलाना तथा कई बार मानसिक रूप से कमजोर मरीज इधर-उधर शौच कर गंदगी कर देते हैं ।तो उनकी साफ सफाई कर अपना मानवता धर्म भी निभा रही है । इस पवित्र ने कार्य में श्रीमति रमणी जेम्स

नर्सिग आफीसर ,श्रीमति नैनबाला खान नसिंगआफीसर,भावना कुशवाह नर्सिंग आफीसर,सुधा वाघेला नर्सिंग आफीसर,अमिता मारिया नर्सिंगआफीसर, राधा आया बाई, किरण सैफ सफाईकर्मी अपना धर्म निभा रही है

12 वर्ष के बालक को पूरे परिवार ने घर में बंद कर लोहे की स्केल से पीटा

पिता से लेना थे रुपये, उसके बेटे का पूरा शरीर कर डाला चोटिल

उज्जैन- रुपयों के लेनदेन में एक ही परिवार के 5 सदस्यों द्वारा 12 वर्षीय बालक के साथ अमानवीय तरीके से ऐसे मारपीट की गई कि उसके शरीर का एक भी अंग घाव से अछूता न रहा। घायल बालक को लेकर पिता चिमनगंज थाने पहुंचा तो बोला पुलिस को पहले ही आवेदन दिया था, यदि पुलिस कार्रवाई करती तो बेटे के साथ ऐसी हरकत न हो पाती। मैंने रुखसाना पति इब्राहिम निवासी खिलचीपुर पुलिया के यहां कुछ माह पहले मकान बनाया था। छत भरने के लिये सेंटिंग लगाई थी। मकान का काम होने के बाद भी रुखसाना व उसके परिजन सेंटिंग निकालने नहीं दे रहे थे। बार-बार विवाद होने के चलते मैंने 6 मार्च को चिमनगंज थाने में आवेदन दिया कि रुखसाना और उसके परिजन सेंटिंग निकालने नहीं दे रहे और रुपयों की मांग कर रहे हैं नहीं तो जान से मारने की धमकी भी देते हैं। पुलिस ने आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की। सुबह 8.30 बजे के करीब मेरा बेटा चिराग 12 वर्ष बुआ के घर जा रहा था तभी रुखसाना ने अपने बेटे तोहिद, एक बेटी व सास के साथ चिराग को घर में बुलाया व दरवाजा बंद कर उसके साथ लोहे की स्कैल, बेल्ट से पीटा। सभी लोगों द्वारा एक साथ मिलकर पीटने से बेटे का पूरा शरीर चोटिल हो गया। सिर से लेकर पैर तक घाव के निशान थे। मैं घायल बेटे को लेकर रुखसाना व उसके परिजनों के खिलाफ रिपोर्ट लिखाने चिमनगंज थाने आया हूं। घायल बेटा थाने में बैठा है और पुलिस टीम मारपीट करने वालों को पकडने् गई है। -जैसा कि घायल चिराग के पिता दीपक ने बताया ।

मनासा थाना पुलिस ने 8 दिन पूर्व लापता एक नाबालिक बालिका को सुरक्षित बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार

मनासा- पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार में नाबालिग बालक बालिकाओं की बरामदगी हेतु मुस्कान अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत पुलिस अधीक्षक नीमच अंकित जायसवाल द्वारा जिले में अपर्हत नाबालिग बालक/बालिकाओं को दस्तयाब करने हेतु सभी थाना प्रभारीयों को निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमच नवलसिंह सिसोदिया व एसडीओपी महोदय मनासा विमलेश उईके के कुशल निर्देशन में थाना प्रभारी मनासा निरीक्षक एस के यादव के नेतृत्व में मनासा पुलिस टीम द्वारा 08 दिन पुर्व घर से लापता नाबालिक बालिका को तत्काल कार्यवाही कर सुरक्षित बरामद किया है।दिनांक 06.05.2024 को मनासा कस्बा से नाबालिग बालिका आशा (परिवर्तीत नाम) बिना बताये कहीं चली गयी थी जिसकी रिपोर्ट पर थाना मनासा पर अपराध कं 235/2024 धारा 363 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया। दोराने विवेचना तत्काल कार्यवाही करते हुए तथा व्यावसायिक दक्षता का प्रयोग करते हुए नाबालिग बालिका आशा (परिवर्तीत नाम) को दस्तयाब कर कथन लेते आरोपी अरुण पिता राजूलाल सिकलीगर उम्र 28 साल

निवासी आंत्री बुजुर्ग द्वारा बहला फुसलाकर शादी का झांसा देकर भगाकर ले जाना तथा उसके साथ खोटा काम करना बताया जो प्रकरण में धारा 366,376,376 (2) (एन) भादवि एव 5एल/6 पोस्को एक्ट एंव 3(2) (वीए), 3(2) (12) एससीएसटी एक्ट का ईजाफा किया जाकर आरोपी अरुण पिता राजूलाल सिकलीगर उम्र 28 साल निवासी आंत्री बुजुर्ग को गिरफ्तार किया गया। इस सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी मनासा व उनकी टीम उनि0 पुष्पा सिंह राठौर, प्रआर. लालसिंह मीणा, आर पिंकेश मोगिया, आर. कुशलपाल म.आर. पूर्णिमा तिवारी, म.आर. प्रिया पाटीदार, म.आर. पूजा शक्तावत का सराहनीय योगदान रहा है।

दो बहनों की तालाब में डूबने से मौत, ग्रामीणों ने तालाब से शव बाहर निकाले

भाभरा तालाब में नहाने गई दो सगे भाईयो की लड़किया बेहड़वा तालाब में डूब गई। ग्रामीणों को खबर लगी तो ग्रामीणों ने शव को तालाब से बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार रसीला पिता मगन मेडा उम्र 13 वर्ष और इंदिरा पिता सुभाष मेड़ा उम्र 10 वर्ष ग्राम बड़ा भावटा डूंगर फलिया सुबह 10 बजे घर से निकली थी। वह तालाब में नहाने चली गई। इस दौरान वे गहरे पानी में गई और डूब गई। उनके साथ छोटा भाई विजय भी था। बहनों को डूबता देखने के बाद भाई ने ग्रामीणों को सूचना दी। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से तालाब से शव बाहर निकाला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम किया।

वेयरहाउस में प्रशासन का छापा: जांच के दौरान मिला करोड़ों का सड़ा गेहूं, कई अधिकारी निलंबित

जबलपुर- जबलपुर में राघव वेयरहाउस का विधायक नीरज सिंह और प्रशासन ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मौके पर पुराना, घुना हुआ और हृश्ठु स्न्नक्त गेहूं स्टैक्स लगाकर कर भंडारित किया जाना पाया गया। बताया जा रहा है कि यह गेहूं सहकारी समिति द्वारा समर्थन मूल्य पर किसानों के नाम पर ख़रीदा गया है। मिली जानकारी के अनुसार कुल 212 किसानों से 25800 क्विंटल की गेहूं ख़रीदी दर्ज की गई है । जिसके आधार 4.56 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। वहीं जांच के दौरान कुल 13 स्टैक्स में से 2 स्टैक्स में अंदर की लेयर में पुराना, घुना हुआ और हृश्ठु स्न्नक्त गेहूं पाया गया है। अन्य स्टैक्स में भी ख़राब गेहूँ भंडारित होने की आशंका है।

अधिकारीयों पर गिरी निलंबन की गाज गेहूं ख़रीदी घपले में कथित संलिप्तता और लापरवाही बरतने वाले अधिकारीयों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिन अफसरों पर निलंबन की गाज गिरी है, उनमें नोडल अधिकारी रघुनाथ कुदौलिया सहकारिता निरीक्षक, जेएसओ भावना तिवारी और कुन्जम सिंह राजपूत शामिल है। वहीं शाखा प्रबंधक स्क्कुस्ट प्रियंका पठारिया को निलंबित करने का प्रस्ताव स्क्कुस्ट को दिया जा रहा है।

मिलीभगत से चल रहा था पूरा खेल- कलेक्टर वहीं इस पूरे मामले में कलेक्टर ने कहा कि अधिकारियों की मिलीभगत से इस घोटाले को अंजाम दिया जा रहा था। वेयर हाउस, सहकारी समिति, वेलुअर से लेकर सरकरी कर्मचारी सभी की इसमें मिलीभगत थी। कलेक्टर ने माना कि गेहूं के बोरों में किसानों के नाम का टैग नहीं लगा था। 13 स्टैक्स बनाकर खराब और सड़े हुए गेहूं को रखा गया था। उन्होंने बताया कि ऊपर-ऊपर अच्छा गेहूं और अंदर खराब गेहूं रखा गया था। कलेक्टर ने कहा कि गेहूं का बचा हुआ पेमेंट रुकवाने का आदेश जारी कर दिए गए है। वहीं अपात्र किसानों को किया गया भुगतान वापस लाने की भी कोशिश होगी।

जमीन विवाद को लेकर बाप, बेटे ने महिला पर ईंट-पत्थरों से हमला कर अधमरी छोड़ भाग निकले, पुलिस तलाश में जुटी...

चीताखेड़ा :- दोनों मकान के पड़ोसियों के बीच विगत कुछ दिनों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था कि पड़ोसी बाप और बेटा के होंसले इतने बुलंद थे कि महिला को अकेली देख मकान की छत से बाप बेटे ने ईंट और पत्थरों से बरसात कर महिला को पीट- पीट कर बुरी तरह से लहूलुहान कर अधमरी हालत कर भाग निकले। घायल महिला का निजी चिकित्सालय में इलाज चल रहा है। बामोरा गांव के ही प्रेमशंकर पिता सत्यनारायण पाटीदार और राहुल पिता प्रेमशंकर पाटीदार दोनों निवासी बामोरा और मकान पड़ोसी प्रेमलता पति बनवारी लाल पाटीदार दोनों मकान पड़ोसियों के बीच कुछ समय से किसी जमीन को लेकर विवाद चल रहा था कि एक दिन सोमवार को महिला प्रेमलता पति बनवारी लाल पाटीदार को अकेली देख बाप प्रेम शंकर पिता सत्यनारायण पाटीदार और पुत्र राहुल पिता प्रेमशंकर पाटीदार ने अपने ही मकान की छत से योजना बंद तरिके से ईंट और पत्थरों से बरसात कर जानलेवा हमला कर दिया जिससे प्रेमलता बाई के सिर में गहरी चोट लगने से वहीं पर बेहोश होकर जमीन पर ढेर हो गई। फिर भी हमलावरों ने हमला जारी रखा। चिल्ला चौट की आवाज सुनकर कुछ लोग मौके पर पहुंचे उन्हें देख हमलावर भाग निकले। गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज हेतु नीमच जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां पुलिस ने खाना पूर्ति कर इलाज शुरू करवाया। जीरन पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। लेकिन पुलिस के चुंगल से हमलावर बाप बेटा दोनों दूर है। पुलिस ने फरार हमलावरों की खोजबीन शुरू कर दी है। गंभीर रूप से घायल प्रेमलता पति बनवारी लाल पाटीदार का एक निजी चिकित्सालय में इलाज चल रहा है।

बिहार के हाजीपुर में चिराग पासवान ने किया रोडशो

हाजीपुर मेरे लिए कभी संसदीय क्षेत्र नहीं हो सकता, हाजीपुर हमेशा मेरा परिवार रहा है : चिराग पासवान

हाजीपुर, हाजीपुर लोकसभा के महुआ विधानसभा के चेहराकाला में हाई स्कूल मैदान सेहांन में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए हाजीपुर लोकसभा के लोकप्रिय उम्मीदवार आदरणीय श्री Chirag Paswan जी एव बिहार के उप मुख्यमंत्री सह प्रदेश अध्यक्ष श्री samarth chaudhari जी दोनो नेताओं ने अपार भीड़ से 20 मई 2024 को हेलिकॉप्टर छाप ईवीएम मशीन क्रमांक संख्या 1 पर बटन दबाकर आदरणीय श्री चिराग पासवान जी को भारी मतों से विजई बनाने के लिए जनता मालिकों से आशीर्वाद मांगा।

विकास प्राधिकरण की टीम ने छह बीघा में अवैध रूप से विकसित की जा रही एक कालोनी को बुलडोजर की सहायता से ध्वस्त किया

दो अवैध निर्माण कार्यों को भी किया गया सील

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, विकास प्राधिकरण की टीम ने छह बीघा में अवैध रूप से विकसित की जा रही एक कालोनी में बुलडोजर की सहायता से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। साथ ही दो अवैध निर्माण कार्यों को सील किया गया। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आशीष कुमार ने बताया कि अवैध निर्माण कार्यों और अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार चल रही है। उन्होंने बताया कि आज पूजा एनक्लेव कॉलोनी के पीछे लगभग छह बीघा भूमि में मिट्टी का फड़ तैयार कर प्लाटिंग के कार्य किया जा रहा था। विकास प्राधिकरण की टीम ने उसे बुलडोजर की सहायता से ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा 62 फुटा रोड, सम्राट विक्रम कॉलोनी में भूतल पर पूर्व निर्मित भवन के प्रथम तल पर अवैध रूप से कराए जा रहा आरसीसी स्लैब का निर्माण कार्य और मेन संकलापुरी रोड, बिलकेश्वर कॉलोनी में अवैध रूप से किया जा रहे हॉल के निर्माण कार्य को सील किया गया। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण कार्यों और अवैध कालोनियों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इसलिए भवन निर्माण कराने से पहले विकास प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत करा लें और उसी के अनुसार

भवन का निर्माण कराएं। कॉलोनी विकसित करने से पहले उसे विकास प्राधिकरण से स्वीकृत कराना जरूरी है। इस दौरान अधिशासी अभियंता पीके शर्मा, सहायक अभियंता डीके शर्मा, अवर अभियंता शमीम अख्तर, प्रदीप गोयल और आरके श्रीवास्तव, मेट लालबहादुर, अमरनाथ, वैभव आदि मौजूद रहे।

कनाडा खुलेआम दे रहा है भारत विरोधी गतिविधियों का समर्थन

, अलबर्टा में खालिस्तानियों को पुलिस और मेयर ने किया संबोधित

नेशनल डेस्क- कनाडा में एक बार फिर से भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने का मामला सामने आया है। दरअसल कनाडा की पुलिस और प्रशासन अब खुले तौर पर उन लोगों का पक्षधर हो चला है जो भारत के खिलाफ झूठा प्रोपेगेंडा चला रहे हैं। हाल ही में कनाडा के कैलगरी, अलबर्टा में एक धार्मिक समारोह के आयोजन में ऐसे पोस्टर प्रदर्शित किए गए जिनमें भारत पर हत्याओं का आरोप लगाया गया था और खालिस्तानी आतंकवादियों के नाम और चित्र दिखाए गए थे। इस समारोह में 1985 में एयर इंडिया बमबारी के मास्टरमाइंड आतंकी तलविंदर सिंह परमार को भी बतौर शहीद सम्मानित किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समारोह में कनाडाई पुलिस के अधिकारियों और कैलगरी के मेयर ने भी अपने विचार साझा किए।

पुलिस के अधिकारी और मेयर के भाषण पर सवाल

इस समारोह के आयोजन के बाद कनाडा के नागरिकों में एक नई बहस शुरू हो गई है। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने समारोह में कनाडाई पुलिस के अधिकारी और मेयर के भाषण पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा है कि दोनों का खालिस्तानी समर्थकों को समर्थन देने का औचित्य ही क्या है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समारोह का आयोजन आस्था के उत्सव के रूप में किया गया था, लेकिन इसने एक राजनीतिक रुख अपना लिया था। समारोह में आतंकी तलविंदर सिंह परमार जमकर महिमामंडन किया और इसका सरकारी नुमाइंदों ने खुलकर समर्थन किया। भारत पहले ही कनाडा को चरमपंथ, कट्टरपंथ और हिंसा को पॉलिटिकल स्पेस देने पर फटकार लगा चुका है। जानकारों का कहना है कि कनज़ा में वोट बैंक की राजनीति को लेकर ट्रूडो सरकार खालिस्तानी चरमपंथियों को खुश करने में लगी हुई है।

आतंकी तलविंदर को खालिस्तानी मानते हैं नायक

गौरतलब है कि कनाडा में खालिस्तानी समर्थक आतंकी तलविंदर सिंह को अपने गुरुद्वारों में एक नायक के तौर पर मानते हैं। हालांकि हकीकत यह है कि यह आतंकी एयर इंडिया कनिष्क बम ब्लास्ट में 329 लोगों की मौत का जिम्मेदार है। साल 1982 में जस्टिन ट्रूडो के पिता और तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री पियरे ट्रूडो ने भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से किए गए इसी खालिस्तानी आतंकवादी तलविंदर सिंह परमार के प्रत्यर्पण के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। कनाडाई पुलिस को संदेह था कि परमार कनिष्क हमले के पीछे का मास्टरमाइंड था, लेकिन बाद में उसके खिलाफ आरोप हटा दिए गए थे। खालिस्तान आंदोलन की वकालत करने वाले परमार की बाद में 1992 में पंजाब पुलिस के साथ मुठभेड़ में मौत हो गई थी।

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर ताबड़तोड़ फायरिंग

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

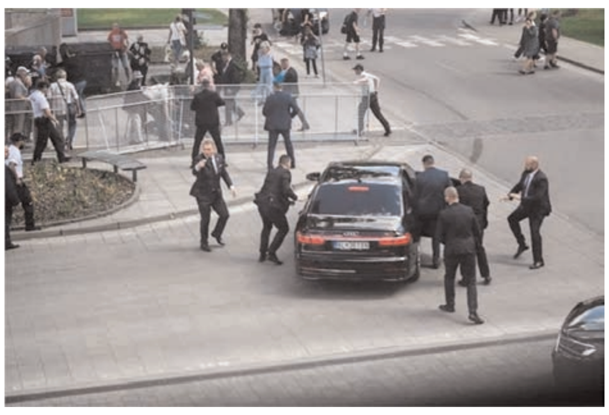

ब्रातीस्लावा: कई गोली लगने से घायल हुए स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको का जीवन खतरे में है। उनकी फेसबुक प्रोफाइल पर दी गई जानकारी के अनुसार फिको को ''कई गोली मारी गई है और उनका जीवन खतरे में है। इस समय उन्हें हेलीकॉप्टर द्वारा बैंस्का बायस्ट्रिका ले जाया गया है। फिको के जीवन के लिए अगले कुछ घंटे बहुत महत्वपूर्ण है। स्लोवाकिया के समाचार टेलीविजन स्टेशन 'टीए3 की खबर के अनुसार यह घटना राजधानी से लगभग 150 किलोमीटर दूर उत्तर-पूर्व में हैंडलोवा शहर में हुई। इसके अनुसार फिको (59) को पेट में भी गोली लगी है। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया और फिको को बैंस्का बायस्ट्रिका के एक अस्पताल में ले जाया गया। खबर के अनुसार इस सिलसिले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया स्लोवाकिया की 'टीएएसआर समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार संसद के उपाध्यक्ष लुबोस ब्लाहा ने स्लोवाकिया की संसद के एक सत्र के दौरान इस घटना की पुष्टि की और इसे अगली सूचना तक स्थगित कर दिया। राष्ट्रपति जुजाना कैपुतोवा ने प्रधानमंत्री पर हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, ''मैं स्तब्ध हूं।उन्होंने कहा, ''मैं रॉबर्ट फिको को इस नाजुक क्षण में ताकत देने और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया नेता मिशल सिमेका ने कहा, ''हम रॉबर्ट फिको पर गोलीबारी की कड़ी निंदा करते हैं।

पाकिस्तान: 19 करोड़ पौंड भ्रष्टाचार मामले में इमरान खान को मिली जमानत

इस्लामाबाद- पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने 19 करोड़ पौंड के भ्रष्टाचार मामले में इमरान खान को बुधवार को जमानत दे दी। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी पर रियल एस्टेट के एक दिग्गज व्यक्ति से रिश्वत के रूप में अरबों रुपये की जमीन लेने का आरोप है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों की पीठ ने बहस पूरी होने के बाद मंगलवार को फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने बुधवार को खान से जमानत के लिए 10 लाख का मुचलका दाखिल करने को कहा। अदालत के इस फैसले से हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री की अदियाला जेल से रिहाई होने या न होने पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा क्योंकि गोपनीय दस्तावेज और इद्दत मामलों में उनकी सजा को फिलहाल निलंबित किया हुआ है। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने पिछले दिसंबर में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक इमरान खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी और अन्य लोगों के खिलाफ जांच शुरू की थी। यह मामला अल कादिर यूनिवर्सिटी ट्रस्ट के नाम पर नहर भूमि के कथित अधिग्रहण से जुड़ा हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को 19 करोड़ पौंड (करीब 50 अरब रुपये) का नुकसान हुआ।

स्वामी प्रसाद मौर्य जूता कांड

आरोपी की जीभ और हाथ काटने के लिए इनाम घोषित करने पर निषाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ कथित अभद्रता करने वालों का हाथ और जीभ काट कर लाने वाले को 11-11 लाख रुपये का इनाम घोषित करने पर पार्टी के प्रत्याशी होतम सिंह निषाद के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय जाट की शिकायत पर सदर थाने में मंगलवार की देर रात निषाद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि निषाद ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य की ओर कथित रूप से जूता उछालने वाले का हाथ काटने पर 11 लाख रुपये जबकि उनके काफिले को कथित रूप से काले झंडे दिखाकर स्याही फेंकने वाले की जीभ काटने पर 11 लाख रुपये के इनाम का ऐलान किया था।

जीभ और हाथ काटने के लिए इनाम घोषित करने पर निषाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मिली जानकारी के मुताबिक, उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर निषाद का वीडियो वायरल होने पर अखिल भारत हिंदू महासभा और योगी यूथ बिग्रेड ने प्रदर्शन किया और विरोध जताया। उन्होंने जिलाधिकारी निवास पर भी प्रदर्शन करने की चेतावनी दी थी। सूत्रों ने बताया कि हाल ही में अखिल भारत हिंदू महासभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्वामी प्रसाद मौर्य के काफिले को रोक कर हंगामा किया, काले झंडे दिखाये और स्याही भी फेंकी। इससे पहले, एक जनसभा में योगी यूथ बिग्रेड के महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्र धाकड़ ने मौर्य की तरफ कथित रूप से जूता उछाला था।

बेटी पैदा होने से नाराज हुआ पति

सिर पर ईंट मारकर पत्नी को बेरहमी से उतारा मौत के घाट

नोएडा -गौतमबुद्धनगर जिले की पुलिस ने बेटी पैदा होने की वजह से अपनी पत्नी की हत्या करने के आरोप में बुधवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। थाना सेक्टर-63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान 34 वर्षीय रीना गिरी के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि मृतक के भाई ने शिकायत देकर आरोप लगाया कि रीना के पति हरेंद्र गिरी उर्फ सोनू ने लड़की पैदा होने के कारण उसकी बहन की 13 मई को सिर पर ईंट मार कर हत्या कर दी। सिंह ने बताया कि शिकायत पर मामला दर्ज किया गया और आज हरेंद्र गिरी उर्फ सोनू को अयोध्या जिले से गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि वह यहां छीजारसी गांव में किराए के मकान में रहता था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उसे अदालत में पेश किया जिसने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

शख्स ने की 'लिव-इन पार्टनर की हत्या, गिरफ्तार

गौतमबुद्धनगर जिले के थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में 35 साल के शख्स को अपनी 50 वर्षीय 'लिव इन पार्टनर% की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी गौतम को शक था कि पीड़ित विनीता कुछ अन्य लोगों से संपर्क में थी। आरोपी ने यह भी बताया कि उसने महिला के प्रेम में अपनी पत्नी को छोड़ दिया था। अधिकारी ने बताया कि महिला के पति के निधन के बाद से वे पिछले तीन साल से साथ रह रहे थे। वे सेक्टर 42 में रहते थे। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि मंगलवार रात गौतम ने विनीता के साथ मारपीट की जिससे वह बेहोश हो गई और फिर वह घर से चला गया। उन्होंने बताया कि महिला को अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुतिन ने नई सरकार की नियुक्ति व रक्षा मंत्री के तबादला आदेश पर किए हस्ताक्षर

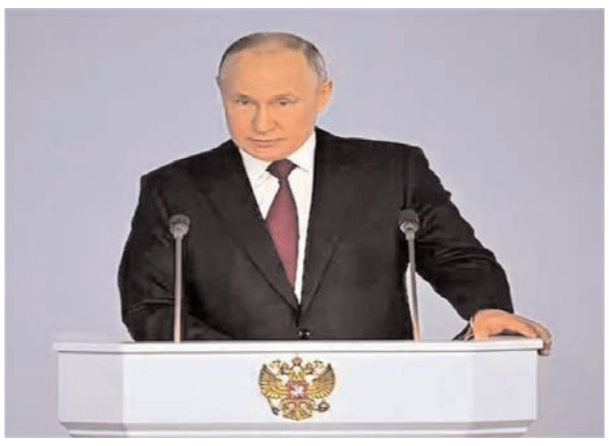

मॉस्को- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को नयी सरकार की नियुक्ति के आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें एक पूर्व उप प्रधानमंत्री को रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया है। पुतिन का छह साल का नया कार्यकाल सात मई को शुरू हुआ था। तब रूस के कानून के अनुरूप सरकार ने इस्तीफा सौंप दिया था। पुतिन ने मिखाइल मिशुस्तिन को तीन दिन बाद पुन: प्रधानमंत्री नियुक्त किया जिसे संसद के निचले सदन ने तत्काल अनुमति दे दी। उन्होंने रविवार को एक आदेश पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत सर्गेई शोइगु को रक्षा मंत्री के पद से हटाकर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का प्रमुख नियुक्त किया गया।

पुतिन ने पूर्व उप प्रधानमंत्री आंद्रेई बेलौसोव को नया रक्षा मंत्री भी नियुक्त किया जो आर्थिक विशेषज्ञ हैं और उनकी कोई सैन्य पृष्ठभूमि नहीं है। पुतिन ने कुछ कैबिनेट सदस्यों की पुन: नियुक्ति का भी प्रस्ताव रखा और मिशुस्तिन ने कई नए मंत्रियों के लिए नाम प्रस्तुत किए, जिनमें से सभी को संसद ने मंजूरी दे दी। यूक्रेन में रूसी सैनिकों को भेजने के पुतिन के फैसले में शोइगु की अहम भूमिका मानी जाती है। पुतिन ने जिस आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, उसमें व्यापक तौर पर पिछले कैबिनेट को ही रखा गया है और साथ ही ऊर्जा, खेल, परिवहन, उद्योग तथा कृषि मंत्रियों के रूप में नये चेहरों को भी शामिल किया गया है।

15 साल के बेटे ने मां की खातिर कर दी पिता की हत्या

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के टिब्बा सुल्तानपुर में एक 15 साल के बेटे ने अपनी मां की खातिर गुस्से में आकर पिता की हत्या कर दी। मीडिया रिपोर्टके अनुसार उसका पिता नशे का आदी था और रोज मां के साथ मारपीट करता था। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी बेटे अली हसन को पकड़ लिया है। अली ने बताया कि उसके पिता शराब के नशे में धुत होकर उनकी मां को गालियां देता और मारपीट करता था जिस कारण उसको ये कदम उठाना पड़ा। मुल्तान और वेहारी के बीच कस्बे में हुई इस घटना ने स्थानीय समुदाय में डर का माहौल बना हुआ है। अली के पास से हत्या का हथियार बरामद कर लिया गया और अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। ऐसी ही एक घटना 24 अप्रैल को भी हुई थी, जिसमें बेटे ने ही अपने पिता और चाचा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। विवाद केवल एक कार को लेकर था।

कांग्रेस मुसलमानों की तरफदारी करती है, मोदी किसी से भेदभाव नहीं करते: गिरिराज सिंह

पटना: केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर अल्पसंख्यकों की तरफदारी करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने मुसलमानों से कभी भेदभाव नहीं किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी मोदी के तीसरे कार्यकाल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 400 से अधिक सीटें जीतने के साथ ही अयोध्या की तरह काशी और मथुरा में भी भव्य मंदिरों के निर्माण को लेकर उत्सुक है। सिंह ने कहा, ''जब मोदी ने गैस सिलेंडर, मुफ्त राशन, गरीबों के लिए घर और शौचालय जैसी सुविधाएं प्रदान की, तो कोई भेदभाव नहीं किया गया क्योंकि लाभार्थियों में हिंदू और मुस्लिम दोनों शामिल थे। पंचायती राज और ग्रामीण विकास मंत्री सिंह ने कहा, ''यह पिछली कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के विपरीत था, जब मुसलमानों को तरजीह दी गई और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यक समुदाय का होने की खुले तौर पर वकालत की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक जैसे राज्य में, जहां कांग्रेस सत्ता में है ''सभी मुसलमानों को हिंदू पिछड़े वर्गों का नुकसान करते हुए चुपचाप ओबीसी घोषित कर दिया गया और बिहार में कांग्रेस के राजद जैसे सहयोगी दल भी ऐसा ही करने का इरादा रखते हैं। भाजपा नेता ने कहा, ''2019 में 300 से अधिक सीटें मिलने के बाद सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया। इस बार, 400 से अधिक सीटों के साथ, सरकार विरासत (सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करते हुए तेज आर्थिक विकास) के साथ विकास की शुरुआत करेगी। उन्होंने कहा, ''हमने पहले ही अयोध्या में एक मंदिर बनवा लिया है। अब, काशी और मथुरा में भी भव्य मंदिर होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर कटाक्ष करते हुए उन्हें ''राहुल गांधी का भोंपू बताया। बिहार की बेगूसराय लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले सिंह ने राहुल गांधी पर भाजपा नेता स्मृति ईरानी से हार के बाद अमेठी से ''भागने का आरोप लगाया और दावा किया कि कांग्रेस नेता रायबरेली में हारेंगे। सिंह ने कहा, ''राजग जिन 400 से अधिक सीटों पर जीत हासिल करने जा रहा है, उनमें से एक सीट रायबरेली भी होगी। इसके बाद राहुल गांधी अपनी मां के पैतृक स्थान इटली वापस जा सकते हैं। अगर जरूरत पड़ी तो वह वेटिकन चर्च में बपतिस्मा करा सकते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी प्रधानमंत्री मोदी को नापसंद करते हैं क्योंकि प्रधानमंत्री ''इस बात का सबूत हैं कि एक गरीब मां के घर पैदा हुआ व्यक्ति शीर्ष पर पहुंच सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569